दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः26 | ग्वालियर, 3 दिसम्बर, रविवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

ईडी अधिकारी अंकित तिवारी की गिरफ्तारी के बाद मदुरै दफ्तर की तमिलनाडु पुलिस ने ली तलाशी, कई दस्तावेज जब्त

तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) के अधिकारियों ने अंकित तिवारी से जुड़े मामले के सिलसिले में मदुरै स्थित ईडी के उप-जोनल कार्यालय में छापेमारी की. यह छापेमारी पूरी रात चली. तमिलनाडु पुलिस ने ईडी ऑफिस के साथ अंकित तिवारी के आवास की तलाशी ली. पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान शनिवार (2 दिसंबर) की सुबह 6 बजे तक चली और कई आपत्तिजनक सबूत भी मिले. मदुरै स्थित ईडी ऑफिस में अंकित तिवारी तैनात हैं.इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी के मुदुरै स्थित ऑफिस में तलाशी को लेकर डीवीएसी अधिकारी ने बताया कि ईडी अधिकारी ने उन्हें तलाशी से रोका. इसके बाद डीवीएसी अधिकारी ने वारंट दिखाते हुए कहा, हम अंकित तिवारी के ऑफिस की तलाशी लेने आये हैं, पूरे ऑफिस की नहीं, जिसके बाद तलाशी ली गई.डीवीएसी के अनुसार तलाशी में अधिकारियों ने कई दस्तावेज जब्त किए, जिसका उपयोग करके अन्य अधिकारियों को ब्लैकमेल किए जाने की संभावना थी.इससे पहले ईडी अधिकारी अंकित तिवारी को एक सरकारी डॉक्टर से कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में शुक्रवार (1 दिसंबर) की सुबह गिरफ्तार किया गया था. डीवीएसी के कहा कि अंकित तिवारी ने उनसे संपर्क किया था. साथ ही अंकित ने सरकारी डॉक्टर के खिलाफ 2018 के आय से अधिक संपत्ति के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि उन्हें पीएमओ से दोबारा जांच करने के निर्देश मिले हैं. जबकि उस मामले को डीवीएसी की डिंडीगुल ब्रांच की ओर से निपटारा कर दिया गया था.डॉक्टर से मांगा 3 करोड़ का रिश्वत-डीवीएसी अधिकारी के अनुसार उस डॉक्टर को 30 अक्टूबर को मदुरै ऑफिस बुलाया गया था. आरोप है कि कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए अंकित तिवारी ने उस डॉक्टर से 3 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी, लेकिन दोनों के बीच 51 लाख रुपये पर सहमति बनी. कथित तौर पर इसमें से 20 लाख रुपये की पहली किस्त 1 नवंबर को सौंपी गई थी. बाद में उस डॉक्टर ने डीवीएसी में शिकायत दर्ज की और अंकित तिवारी की गिरफ्तारी हुई.

एमपी में कांग्रेस नहीं लेगी निर्दलियों का सहारा, कमलनाथ ने बताया पार्टी का खास प्लान

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार 3 दिसंबर तक सबके सामने आ जाएंगे. इसी बीच एमपी के पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा कि उन्हें एग्जिट पोल से कोई मतलब नहीं है क्योंकि उनका भरोसा मतदाताओं पर है. कल इसी टाइम लंबी चर्चा करेंगे. आज कुछ बोलने की आवश्यकता नहीं है.वहीं, निर्दलियों से संपर्क साधने को लेकर कमलनाथ ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं होगी, कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने वाला है. इतना ही नहीं, बीजेपी पर निशाना साधते हुए कमलनाथ ने कहा कि अगर उनके पास इतनी सीटें हैं, तो नाट क्यों कर रही है, निर्दलियों से बातचीत क्यों बढ़ी रही है?

जीतने के बाद भोपाल पहुंचेंगे कांग्रेस प्रत्याशी-इसके अलावा, इंदौर-1 के कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस ने सभी को भोपाल आने के निर्देश दिए हैं. कांग्रेस प्रत्याशी जीतते ही भोपाल की ओर निकलेंगे और इस बार पार्टी को 140 से ज्यादा मिलेंगी. संजय शुक्ला का दावा है कि इस बार पार्टी भारी मतों से जीतने वाली है.

क्या कांग्रेस में तोड़फोड़ का डर-कांग्रेस प्रत्याशी ने बताया कि पार्टी में किसी तरह की तोड़फोड़ का कोई डर नहीं है. हम किसी से नहीं डरते, कोई हमें नहीं हरा सकता. सभी लोग भोपाल में ही जुटेंगे. प्रदेश का हर आदमी कांग्रेस की सरकार चाहता है.

जानकारी के लिए बता दें कि रविवार 3 दिसंबर को मध्य प्रदेश में बीजेपी और कांग्रेस समेत सभी दलों की किस्मत का फैसाल हो जाएगा. रविवार की शाम तक यह साफ हो जाएगा मध्य प्रदेश में सत्ता की कमान किस पार्टी के हाथ में जाएगी.

हजारों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़

मध्य प्रदेश निजी विश्विद्यालय विनियामक आयोग नही कर रहा कोई कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे ग्वालियर। एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर में आये दिन ऐसी ऐसी घटना घट रही है जिसकी बजय से बच्चो के भविष्य के साथ खिलबा? होता नजर आ रहा है जिसमे निजी आयोग द्वारा कार्यवाही करते हुये नवंबर 2011 से लगातार कुलपति पद पर यू.जी.सी के नियम विरुद्ध कार्यरत कुलपति को मध्य प्रदेश निजी वि. वि. विनियामक आयोग ने अपने एक आदेश के द्वारा अगस्त 2023 में हटा दिया था और लिखित में आदेशित भी किया गया था कि कुलपति का चार्ज तत्काल प्रभाव से एमिटी वि. वि. के वरिष्ठ प्राध्यापक या डीन को दिया जाए जिसके बाद से कुलपति पद से रिटा. ले. जन. वीके शर्मा को तो हटा दिया गया पर उनका चार्ज एक ऐसे कनिष्ठ व्यक्ति डॉक्टर अनिल वशिष्ठ को दिया गया जिसको सह प्राध्यापक बने हुए भी 10 वर्ष भी नहीं हुए थे जबकि कुलपति पद हेतु यू.जी.सी के नियम अनुसार कम से कम 10 वर्ष प्राध्यापक पद पर कार्य अनुभव होना अनिवार्य है जिसके बाद वर्तमान में एमिटी वि.वि.प्रबंधन सारे नियमों को ताक पर रखकर वि.वि. चला रहा है, जबकि वी.के शर्मा अपने आप को प्रो. चांसलर पद पर आसीन कर अभी भी एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर को उक्त अयोग्य व्यक्ति को डीन कुलपति के रूप में रखकर चला रहे हैं एमिटी वि.वि. ग्वालियर में जब यह परिवर्तन किया गया तो उस समय दो योग्य व्यक्ति प्रो. डॉ. एम.पी. कौशिक (प्रो. वीसी) और प्रोफेसर डॉक्टर आर एस तोमर उस समय एकेडमी में उपलब्ध थे पर साठ गांठ के चलते योग्य व्यक्तियों को नजरअंदाज कर अयोग्य व्यक्ति के हाथो में 4000 से अधिक बच्चों का भविष्य दे दिया अब उन सभी बच्चो का भविय दाव पर लगा है कई पालकगण एमिटी वि. वि. की नितियो क्षुब्ध है और अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित भी हैं। जबकि इन सभी बातों की जानकारी वरिष्ठ लोगो तक पहुँच चुकी पर अभी तक अपनी एमिटी अपनी साख बचाने के चक्कर मे कोई ठोस कदम उठाने को तैयार नही है जबकि एमिटी को बच्चो का भविष्य बेसक खराब हो जाये।

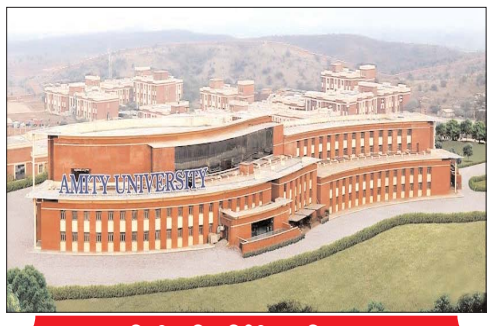

मामला एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर मप्र का ह

अनिल वशिष्ठ
प्रो. वॉइस चांसलर

अब हमारे पास कोई गद्दार नहीं, चुनावी माहौल में दिग्विजय सिंह का सिंधिया पर बड़ा हमला

मध्य प्रदेश में चुनावी सरगर्मी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने बीजेपी नेता और केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि अब कांग्रेस में कोई गद्दार नहीं बचा है. दिग्विजय सिंह बोले- अब हमारे पास कोई सिंधिया नहीं बचा है, कोई गद्दार नहीं है. कल पता चल जाएगा कि शिवराज सिंह चौहान कहां खड़े हैं.कल मध्य प्रदेश में हुए चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे. इसी के साथ साफ हो जाएगा कि प्रदेश में किसकी सरकार बनने जा रही है. लेकिन इसके पहले नेताओं का एक-दूसरे पर जुबानी जंग जारी है.दरअसल, साल 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था. इस दौरान उनके खेमे के 22 विधायकों

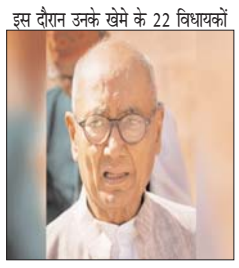

ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया, जिससे कमलनाथ की अगुवाई कांग्रेस सरकार गिर गई थी. इसके बाद सिंधिया समर्थक विधायकों बीजेपी का समर्थन देने का फैसला किया और डेढ़ साल बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेश की सत्ता में वापसी हुई. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस का हाथ छोड़ बीजेपी में जाने की पूरी वजह बताई.एक इंटरव्यू में सिंधिया ने कहा कि जब कांग्रेस ने साल 2018 में मध्य प्रदेश में जीत हासिल की, तो उस समय वह कभी राहुल गांधी के सामने मुख्यमंत्री पद के लिए नहीं अड़े और न ही वह कभी मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल थे.ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, ÷राहुल गांधी ने जब कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया तो मैंने कभी इसका विराध नहीं किया.

चुनाव रिजल्ट से पहले ही ष्टरूबन गए कमलनाथ! भोपाल में बधाइयों के बड़े-बड़े पोस्टर चस्पा

पांच चुनावी राज्यों में शामिल मध्य प्रदेश के नतीजे भी कल यानी तीन दिसंबर को आएंगे. कल ये साफ हो जाएगा कि प्रदेश की जनता ने अगले पांच सालों के लिए प्रदेश की बाग डोर किस पार्टी को दी है. राजस्थान की तरह यहां भी मुख्य मुकाबले में बीजेपीआमने-सामनें हैं. कांग्रेस इस बार अपनी जीत को बहुत ज्यादा उत्साहित नजर आ रही है. इसकी एक नजारा भोपाल में कांग्रेस कार्यलय के बाहर भी देखने को मिला.दरअसल, भोपाल में कांग्रेस कार्यलय के बाहर एक पोस्टर चस्पा किया गया है,

भोपाल में पहली बार 3 दिसंबर को गम के साथ-साथ मनेगा जश्न भी

मध्य प्रदेश के भोपाल में हुए गैस कांड की बरसी 3 दिसंबर को पूरा भोपाल शोक की लहर में डूब जाता है, लेकिन यह पहला अवसर होगा जब 3 दिसंबर को भोपाल में खुशी और गम एक साथ मनाया जाएगा. गैस कांड की बरसी पर अपने परिजनों को खोने वाले परिजन दुख जताएंगे तो वहीं चुनाव

परिणाम में जीत हासिल करने वाले नेता, उनकी पार्टी और परिजन खुशियां मनाएंगे. इन खुशियों के लिए जमकर ढोल नगाड़े बजेंगे तो वहीं आतिशबाजी भी होगी.भोपाल जिले में 7 विधानसभा आती है, जिनमें हुजूर, नरेला, भोपाल उत्तर, बैरसिया, भोपाल दक्षिण, गोविंदपुरा व भोपाल दक्षिण-पश्चिम. सातों ही विधानसभाओं के परिणाम भी कल सूबे के साथ ही आने वाले हैं. खास यह है कि कल 3 दिसंबर को ही भोपाल गैस कांड की बरसी है. ऐसे में कल राजधानी भोपाल में गम और खुशी का नजारा एक साथ देखने को मिलेगा.

तारीख बदलने की थी मांग-इधर भोपाल में मतगणना की तारीख बदलने के लिए चार प्रत्याशियों ने निर्वाचन आयोग से मांग की थी. हालांकि इन चारों ही प्रत्याशियों की इस मांग का असर नहीं हो सका है. चुनाव आयोग से की गई

रामजी करेंगे बेड़ा पार! कैलाश विजयवर्गीय की प्रचंड जीत के लिए अखंड रामायण पाठ, क्या बोले बीजेपी नेता?

एमपी विधानसभा चुनाव के नतीजे आने में अभी करीब 24 घंटे का समय बाकी है लेकिन इससे पहले ही इंदौर में विधानसभा एक से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश से विजयवर्गीय अपने फुल कॉन्फिडेंस में नजर आ रहे हैं और उन्होंने इसे लेकर एक बयान भी दिया.दरअसल इंदौर के पंचकुइया मंदिर पर 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ चल रहा है और यह पाठ करने का मकसद कैलाश विजयवर्गीय को प्रचंड जीत दिलाना है जब कैलाश विजयवर्गीय से सवाल किया गया कि आपके लिए यहां पर अखंड रामायण का पाठ रखा गया है और आपकी प्रचंड जीत हो उसके लिए हवन भी किया जा रहा है इस सवाल के जवाब में कैलाश विजयवर्गी का कहना था कि उन पर हनुमान जी की कृपा सदा रही है और इस बार भी रहेगी.मध्य प्रदेश की राजनीति में हनुमान जी केंद्र में रहे हैं फिर चाहे बात प्रियंका गांधी की हो कमलनाथ की हो या फिर कैलाश विजयवर्गीय की दरअसल मध्य प्रदेश में राजनीतिक हलचल उसे वक्त बढ़ गई थी जब प्रियंका गांधी का मध्य प्रदेश दौरा हुआ था और वह विधानसभा चुनाव के सिलसिले में जबलपुर में एक आमसभा संबोधित करने आई थी उसे वक्त वहां भी एक हनुमान जी की मूर्ति और एक चौराहे पर हनुमान जी की गदा को रखकर कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर चल पड़ी थी

दोस्तों से मिलना..., इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी की सेल्फी पर पीएम मोदी ने किया ये रिप्लाई

संयुक्त अरब अमीरात में हुए कोप-28 से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुनियाभर के कई नेताओं से मुलाकात हुई. इसमें इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी भी शामिल है. मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ की मुलाकात की एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की है. इसपर पीएम मोदी ने

रिप्लाई किया है.मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ ली गई सेल्फी की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि कोप 28 में अच्छे दोस्त. उन्होंने अपने नाम और पीएम मोदी के नाम को मिलाकर बनाया है. इस फोटो पर पीएम मोदी ने रिप्लाई करते हुए लिखा कि दोस्तों से मिलना हमेशा सुखद होता है.

भारत में कोरोना ने फिर दी दस्तक, सामने आए कोविड-19 के 88 नए मामले

दुनिया भर में हजारों लोगों को मौत को नींद सुला चुकी कोरोना महामारी अभी भी चिंता का सबब बनी हुई है. सर्दी की शुरुआत के साथ ही भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 88 नए मामले सामने आए हैं. इससे बाद? संक्रमण के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर चिंता की लकीरें खींच दी हैं.न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक नए मरीजों की संख्या बढ़ने के? साथ ही देश में अब अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे कोविड मरीजों की संख्या बढ़कर 396 हो गई है.

क्या कहते हैं सरकारी आंकड़े-

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार (2 दिसंबर) सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 5 लाख 33 हजार 300 है. जबकि कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 4 करोड़ 50 लाख 2 हजार 103 है. स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है. कुल 4 करोड़ 44 लाख 68 हजार 407 लोग स्वस्थ होकर घर लौटे हैं.

तेजी से ठीक हो रहे हैं लोग-हालांकि राहत वाली बात यह है कि कोरोना से संक्रमित मरीज तेजी से रिकवर भी हो रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक देश में संक्रमण से ठीक होने की दर 98.81 प्रतिशत रही है जो संतोषजन है. जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है. वेबसाइट के अनुसार, भारत में अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 220.67 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं.

आपको बता दें कि कोरोना के बाद चीन में एक रहस्यमयी निमोनिया संक्रमण फैला हुआ है जिसे? लेकर केंद्र ने पहले ही अलर्ट जारी किया है. इस बीच कोरोना के नए मामले में बढ़ोतरी की वजह से देश में एक बार फिर चिंता बढ़ने लगी है.

आपको बता दें कि अमेरिका सहित दुनिया भर में कोरोना के नए वेरिएंट सीडीसी ने क्र2.86 को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से भी एक रिपोर्ट जारी की गई है. डब्ल्यूएचओ ने क्र2.86 को किसी दूसरे वेरिएंट की तुलना में कम जोखिम पैदा करने वाला वेरिएंट बताया है. संगठन ने कहा है कि ये वेरिएंट व्यापक नुकसान नहीं कर सकते हैं इसलिए इनसे कोई खतरा नहीं है. इसका संक्रमण अमेरिका में बढ़ा है.

सिपाही ने रक्तदान करके गर्भवती महिला की बचाई जान

रक्तदान टीम के प्रदेश अध्यक्ष ने जताया आभार,

पुष्पांजलि टुडे।संवाददाता-
- नरेश कुमार सिरवी पाली
राजस्थान

जवाली पाली - सिरोही राजकीय चिकित्सालय मे गर्भवती महिला भावना मीणा को अमरजेसी डिलीवरी केस मे महीला को खुन की जरूरत पड़ने पर पुलिस थाना कोतवाली सिरोही मे डयूटी पर थे महेंद्र कुमार दमामी ने रक्तदान करके महिला की जान बचाई ।रक्तदान टीम सादडी परदेसअध्यक्ष सुरेस गोयल ने ईनका आभार जताया कहा की देस के जवानो को सलाम हे अपनी डयुती सोडकर रक्तदान करने पहुसे यह सबसे बडी बात हे मरीज के परिजनो दारा आभार जताया

चातुर्मास पूर्ण कर आचार्य पहुंचे महावीर जिनालय

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु. सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ,मैसूरु के तत्वावधान में आचार्य तीर्थ भद्र सूरीश्वर आदि ठाणा चातुर्मास पूर्ण कर शनिवार प्रातः पदयात्रा कर सिद्धलिंगपुरा स्थित महावीर जिनालय पहुंचे द्य सकल संघ ने विहार सेवा का लाभ लिया द्य जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के नेतृत्व में आचार्य का भावभिना स्वागत किया द्य महिलाओं ने मंगल गीत गा कर सामैया कर चारों ओर परिक्रमा लगाई द्य भगवान महावीर स्वामी के जयकारे लगाए द्य आचार्य ने प्रभु प्रतिमा के समक्ष चैत्य वंदन किया द्य आचार्य ने मांगलिक सुना कर आशीर्वाद दिया द्य बाद में आचार्य ने भंवरी बाई अमृतलाल बा?णा डायलिसिस सेंटर में किडनी मरीजो को ट्रस्ट की ओर दी जा रही

डायलिसिस सेवा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया द्य सेवाएं देख आचार्य अभिभूत होते हुए ट्रस्ट की सराहना की द्य राजस्थान जैन महिला मंडल की ओर से आचार्य के सान्निध्य में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया द्य अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन महिला परिषद् की ओर से जरूरत मंद लोगों के डायलिसिस हेतु आर्थिक सहयोग दिया द्य इस अवसर पर इस अवसर पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान,उपाध्यक्ष वसंत राठोड़,सचिव प्रवीण दांतेवाड़ीया, कोषाध्यक्ष पारस पोरवाल,सह कोषाध्यक्ष घेवरचंद पोरवाल,ट्रस्टी हंसराज पगारिया,डॉ.मदनलाल, भंवरलाल लुंकड़,जयंतीलाल राठोड़,सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भेरुमल राठोड़,उपाध्यक्ष तिकमचंद वैदमुथा,सचिव कांतिलाल गुलेच्छा, सुमतिनाथ जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयकुमार सालेचा,सचिव ललित राठोड़,अमृत राठोड़, गिरीश राठोड़,सुविधिनाथ नवयुवक मंडल के अध्यक्ष प्रकाश झोटा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे द्य

मादड़ी विद्यालय में मनाया पुस्तकालय दिवस सर्व प्रथम की सरस्वती पूजा, अभिभावक भी कार्यक्रम में रहे मौजूद,

पुष्पांजलि टुडे। संवाददाता-
नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

जवाली पाली - शिक्षा विभाग के आदेशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मादड़ी, पाली में लाइब्रेरी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम अतिथियों एवम् शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती जी की वंदना के साथ पूजा अर्चना की गई। कार्यवाहक संस्था प्रधान श्री राजीव कुमार ने प्रार्थना सभा में समस्त विद्यार्थियों को पुस्तकों एवम् पुस्तकालय के महत्त्व के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन पुस्तकालय प्रभारी श्रीमती कीर्ति रामावत ने किया तथा सभी विद्यार्थियों को उनकी रूचि के अनुसार लाइब्रेरी पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई। शिक्षक श्री हेमदान ने पुस्तकालय विज्ञान के जनक श्री एस आर रंगनाथन के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थियों के साथ कुछ अभिभावक तथा शिक्षक उपस्थित थे।

मतगणना केन्द्र पर चलेगा पता किसको कहां की करनी है गणना

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

मतगणना प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने की निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप मतगणना के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को मतगणना स्थल पहुंचने पर ही यह बताया जायेगा कि उन्हें किस विधानसभा क्षेत्र की किस टेबल पर मतों की गणना करनी है। मतगणना कार्य से संबद्ध सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना स्थल में प्रवेश हेतु परिचय पत्र जारी किये जायेंगे। आयोग के निर्देश के मुताबिक मतगणना के दिन मतगणना अधिकारियों को मतगणना केन्द्र पर प्रातः 6 बजे पहुंचना होगा। गोपनीयता की दृष्टि से इन अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र या मतगणना टेबिल नंबर की जानकारी पहले से नहीं दी जायेगी। चुनाव आयोग के प्रेक्षक तथा जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना के लिए प्रातः 5 बजे एक स्थान पर तीसरे और अंतिम चरण के रेण्डमाईजेशन हेतु एकत्रित होंगे। इसी समय जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना हेतु जिले के प्रशिक्षित अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची प्रेक्षकों को सौंपेंगे। इसमें गणना पर्यवेक्षक तथा अन्य गणना सहायकों के नामों की सूची होगी। रेण्डमाइजेशन होने के तत्काल बाद निर्वाचन क्षेत्रवार पोस्टिंग (नियुक्ति) सूचियां प्रातः 6 बजे संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को सौंपी जायेंगी।

आयोग द्वारा तय क्रम के अनुसार ही गणना मेज के सामने बैठेंगे उम्मीदवारों के गणना अभिकर्त्ता

खरगोन जिले
` मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

विधानसभा चुनाव के लिये डाले गये मतों की गणना पंक्तियों में व्यवस्थित मेजों पर की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक पंक्ति में लगी मेजों को क्रमांक दिया जायेगा। प्रत्येक गणना मेज पर गणना अभिकर्ताओं के बैठने की व्यवस्था की जायेगी।निर्वाचन आयोग के अनुसार गणना मेज के सामने उम्मीदवारों के गणना अभिकर्त्ताओं के बैठने की व्यवस्था में प्राथमिकता के क्रम का ध्यान दिया जायेगा। गणना टेबल पर प्रथम पंक्ति में सबसे पहले मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टियों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता बैठेंगे। उसके बाद मान्यता प्राप्त राज्य पार्टियों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता बैठ सकेंगे। इनके बाद अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त राज्य दलों के उम्मीदवार के अभिकर्त्ता बैठेंगे। उनके बाद पंजीकृत-अमान्यता प्राप्त दलों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता तथा सबसे अंत में निर्दलीय उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता बैठेंगे।निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतगणना अभिकर्त्ता को जिस टेबल के लिये नियुक्त किया गया है वे उसी टेबल पर बैठेंगे।

पाली की यही पुकार, परिवर्तन हो इस बार

पुष्पाजंली टुडे

पाली। राजस्थान में विधानसभा चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं और जनता अब चंद महीनों बाद होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर उत्साहित नजर आ रही है और लोकसभा चुनावों में दोनों पार्टियों के प्रत्याशीयों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है।बात करें भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान सांसद पी पी चौधरी जी के कामों को लेकर आम जनता संतुष्ट नजर नहीं आ रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन के भीतर भी सांसद महोदय की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष का भाव काफी मौकों पर स्पष्ट दिखाई दिया है। पिछले दिनों विभिन्न सर्वे एजेंसियों के द्वारा करवाए गए सर्वे में भी सांसद के कामकाज को लेकर रिपोर्ट संतोष जनक नहीं थी।इन सब परिस्थितियों के हिसाब से इस बार पाली लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद का टिकट काटे जाने की पूरी पूरी शत् प्रतिशत संभावना नजर आ रही है। अगर ऐसा संभव हो गया तो पार्टी नये चेहरे की तलाश में जुटी हुई है। जैसा कि सर्व विदित है पाली लोकसभा सीट किसान वर्ग से ताल्लुक रखने वाली बाहुल्य सीट मानी जाती है। नये चेहरे जिसमें सबसे प्रमुखता और मजबूती से जो नाम उभर कर आएं है वो है - *मांगीलाल चौधरी (बिजोवा) ,भेराराम चौधरी इत्यादि नामों को लेकर जनता में चर्चाओं का दौर है।इन नामों में अगर देखें तो सबसे मजबूत दावेदार मांगीलाल चौधरी (बिजोवा) नजर आ रहे हैं। मांगीलाल चौधरी लंबे समय तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के विभिन्न पदों पर पाली, जोधपुर, जयपुर, दिल्ली में काम कर चुके हैं।पूर्व में राजस्थान प्रदेश के सह संगठन मंत्री और जोधपुर प्रान्त के संगठन मंत्री भी रह चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में इनको प्रदेश आईटी सेल सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी थी जिसको इन्होंने बखूबी निभाया। बंगाल, तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में पार्टी ने इनको जिम्मेदारी दी उसको भी इन्होंने बखूबी निभाया। स्थानीय स्तर से लेकर दिल्ली तक आपकी पकड़ मजबूत मानी जा रही है।इस हिसाब से देखा जाए तो पार्टी इस बार के लोकसभा चुनावों में मांगीलाल चौधरी के चेहरे पर दांव खेल सकती है।

कलेक्टर ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ मतगणना की तैयारियों का जायजा लिया

मतगणना की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा निर्वाचन 2023 के अन्तर्गत मतगणना का कार्य भिण्ड जिले में आयोग द्वारा अनुमोदित शासकीय आईटीआई परिसर लहार रोड़ भिण्ड में किया जाना है। यहीं पर मतदान के बाद ईव्हीएम मशीनों को विधानसभावार तैयार स्ट्रॉग रूमों में सुरक्षित रखकर सीलिंग की गयी है। इन मशीनों को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के साथ रखा गया है। मतगणना दिवस पर आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थियों/निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं आब्जर्वर्स की उपस्थिति में वीडियो ग्राफी कराते हुए इन स्ट्रांग रूमों को खोला जाएगा और क्रम से मशीनें निकालते हुए मतों की गणना की जाएगी। स्ट्रांग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था एवं मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण करने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव शासकीय आईटीआई परिसर भिण्ड में पहुंचे। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजकुमार खत्री, रिटर्निंग ऑफिसर भिण्ड श्री रवि मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी श्री श्रीवास्तव द्वारा विधानसभावार मतगणना हॉल, स्ट्रांग रूम से ईव्हीएम मशीन को मतगणना हॉल तक लाने वाले मार्ग, मीडिया सेंटर, अधिकारी, कर्मचारियों के बैठक स्थल, टेब्युलेशन रूम आदि का अवलोकन किया गया। उन्होंने मतगणना अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था एवं पहुंच मार्ग तथा मतगणना संबंधी अन्य व्यवस्थाओं की विधिवत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश उप जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सभी रिटर्निंग ऑफिसर मतगणना कक्षों में आयोग के निर्देशानुसार टेबल क्रमानुसार लगवा लें। जिन्हें चारों ओर से कवर किया जाएगा। मुख्य द्वार से आब्जर्वर, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं निर्धारित व्यक्ति ही प्रवेश मतगणना कक्षों में कर सकेंगे। उन्होंने मतगणना दिवस के लिए टायलेट आदि की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने आईटीआई परिसर को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए।

अग्रवाल समाज शिवपुरी द्वारा किया गया दीवाली मिलन समारोह का आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्यदेशीय अग्रवाल समाज शिवपुरी द्वारा दिवाली मिलन समारोह का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला मैं किया गया ! जिसमे अग्रवाल समाज के नवनिर्मित अद्यक्ष श्री रामजी लाल जी बंसल जी ख़रई वाले सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारिगण वरिष्ठजन और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे अन्नकुट के पहले अग्रवाल समाज की मीटिंग रखी गई थी जिसमे सभी पदाधिकारिगण , कार्यकारिणी सदस्य और समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे। मीटिंग मे समाज द्वारा आगे होने वाले कार्यो पर विचार विमर्श हुए साथ ही साथ अग्रवाल परिचय सम्मेलन करवाने का प्रस्ताव पारित किया गया।सम्मलेन के संयोजक के रूप मे समाज के पूर्व अद्यक्ष गौरव सिंघल जी को चुना गया।मीटिंग मे सब लोगो ने अपने अपने सुझाव रखे एवम् आगे के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई मीटिंग के बाद अन्नकूट की व्यवस्था की गई थी। जिसे दिवाली मिलन के रूप मे मनाया गया। इस मोके पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री रामजी लाल जी बंसल , महामंत्री प्रांशुल अग्रवाल

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला दमोह की कार्यकारिणी गठित

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के अध्यक्ष एवं सांसद विष्णु दत्त शर्मा , प्रदेश महामंत्री संगठन हितानंद शर्मा , अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी व भाजपा प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाहा एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एम.एजाज खान , भाजपा जिलाध्यक्ष एड.प्रीतम सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला प्रभारी भाजपा जिला महामंत्री गोपाल पटैल व अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रसीद सिद्दीकी की अनुसंशा एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष एड.सैयद साजिद रिजवी की अनुसंशा पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला पदाधिकारी व कार्यसमिति की घोषणा की गई। जिसमें जिलाउपाध्यक्ष करीम बक्स जबेरा, डॉ.कयूम मिर्जा हिण्डोरिया, अमजद खान दमोह, बसीम खान दमोह, जिला महामंत्री सद्दाम खान दमोह, संजीव पाल दमोह, जिला मंत्री काजी शाहिद अली दमोह, आरिफ खान हटा, रेशमा खान दमोह, लतीफ खान ब?याउ कोषाध्यक्ष कमरूदीन खान पथरिया, सहकोषाध्यक्ष सलमान खान इमलाई, जिला मीडिया प्रभारी सरताज खान, जिला सहमीडिया शैलेन्द्र जैन, सहमीडिया प्रभारी टिंकू जुनेजा दमोह को नियुक्त किया गया है।

खरगोन पुलिस की 'नशा मुक्ति अभियान' के तहत अवैध मादक पदार्थ (गाँजा) की खेती करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही

खरगोन जिले मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

1.मिर्च की फसल के बीच लगा रखे थे अवैध गांजे के पैध

2.मुखबिर सूचना पर की गई कार्यवाही

3.अवैध गांजे के कुल 65 हरे पौधे वजनी 152 कि 750 ग्राम के जप्त किए गये

4.जप्त अवैध गांजे के पौधों की अनुमानित कीमत लगभग 350000/- रुपये

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध नशामुक्ति अभियान के तहत लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिसके संबंध मे पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) श्री राकेश गुप्ता तथा उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री चन्द्रशेखर सोलंकी द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व खेती पर अंकुश लगाने हेतु पृथक से भी निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह व अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल, अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया व समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया। जिसके परिणामस्वरूप एसडीओपी मंडलेश्वर के मार्गदर्शन मे चौकी खामखेड़ा थाना कसरावद की अवैध मादक पदार्थ

(गांजा) की खेती करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ।

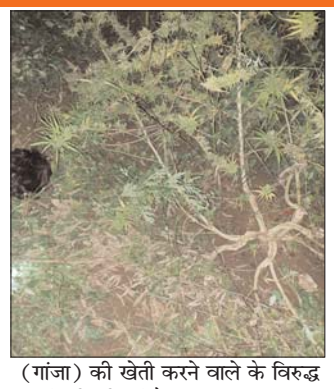

घटना का संक्षिप्त विवरण

दिनांक 01.12.2023 को थाना कसरावद पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की मोहन उर्फ मुन्ना पिता गुलाबसिंह भीलाला निवासी ग्राम पाण्डुखाल ने अपने खेत मे मिर्ची की फसल के बीच अवैध गांजे के पौधे लगा रखे है। मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अनुविभागीय अधीकारी श्री मनोहरसिंह गवली एवं थाना कसरावद थाना प्रभारी श्री मंसाराम रोमड़े के मार्गदर्शन मे चौकी खामखेड़ा थाना कसरावद पर पुलिस टीम का गठन किया गया पुलिस टीम मुखबिर के बताए स्थान मोहन उर्फ मुन्ना पिता गुलाबसिंह भीलाला का खेत ग्राम पाण्डुखाल पहुँचे तो आरोपी मोहन उर्फ मुन्ना भीलाला मौके से फरार हो गया। मोहन उर्फ मुन्ना के खेत के बीच जाकर देखा तो मिर्च फसल के बीच अवैध गांजे के हरे पत्तेदार पौधे पाये गये। पुलिस टीम व पंचांनो की मदद से मौके से कुल 65 नग वजनी कुल 152 किलो 750 ग्राम का जप्त करने मे पुलिस को सफलता प्राप्त हुई। आरोपी मोहन उर्फ मुन्ना का कृत्य अपराध धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के अन्तर्गत दंडनीय होना पाया जाने से आरोपी मोहन उर्फ मुन्ना के विरूद्ध थाना कसरावद पर अपराध क्रमांक 548/2023 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया है ।

फरार आरोपी का नाम- मोहन उर्फ मुन्ना पिता गुलाबसिंह भीलाला निवासी ग्राम पाण्डुखाल

पुलिस टीम

उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग मंडलेश्वर श्री मनोहर सिंह गवली एवं थाना प्रभारी कसरावद निरीक्षक मंशाराम रोमड़े के मार्गदर्शन मे चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पप्पू मौर्य, सहायक उप निरीक्षक तिलक ढाकसे, सहायक उप निरीक्षक हरिराम टांडिलकर, प्रधान आरक्षक 247 मनीष मोर्छले, आरक्षक 520 हीरालाल धनगर, आरक्षक 379 निरज राठौर का विशेष योगदान रहा।

गोहद पुलिस ने अंधे कत्ल का खुलासा कर दो आरोपीयों को किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक असित यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक एवं एसडीओपी गोहद सौरव कुमार के मार्गदर्शन में गम्भीर अपराध घटित करने वाले आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना गोहद पुलिस ने ग्राम रजपुरा के हार में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मुन्नालाल जाटव उर्फ बाबा की हत्या कर दी थी। उक्त अपराध में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता प्राप्त की है।दिनांक 06/11/23 को सूचनाकर्ता प्रदुमन सिंह जाटव पुत्र मान सिंह उम्र 24 साल निवासी ग्राम रजपुरा ने थाना उपस्थित आकर सूचना दी कि मेरे चाचा मुन्ना जाटव उर्फ बाबा पुत्र स्व.श्यामलाल जाटव उम्र 68 साल निवासी ग्राम रजपुरा गांव से दूर टेकरी पर कुठरिया में अकेले रहते थे की अज्ञात व्यक्तियो ने हत्या कर दी थी चाचा मुन्ना जाटव उर्फ बाबा के पास एक सोनालिका ट्रेक्टर व ट्राली भी थे। जो खेत पर रखे रहते थे वह भी नहीं मिले है। सूचना पर से मर्ग क्रमांक 46/23 कायम कर जांच मे लिया गया जांच पर से अप.क्र. 483/23 धारा 302,392 भादवि 11,13 एमपीडीपीके एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया घटना की गम्भीरता को देखते हुऐ पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी गोहद को तत्काल अज्ञात आरोपियो की पतारसी एवं गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। विवेचना के दौरान घटना स्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण करने पर पाया गया कि मृतक मुन्ना उर्फ बाबा के ट्रेक्टर ट्राली के साथ अन्य घरेलू सामान व दो कीपेड मोबाईल भी गायव थे। विवेचना के दौरान सायवर सैल भिण्ड से मृतक मुन्ना बाबा के चोरी गये उक्त मोबाईलों में से एक मोबाईल की लोकेशन मालनपुर मे होना पाई गई, मोबाईल टावर लोकेशन के आधार एक आरोपी को मालनपुर तथा दूसरे को ग्वालियर से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। आरोपीयों ने पूछताछ में बताया कि मुन्ना उर्फ बाबा जाटव भगतयाई का काम करता था तथा उसके पास कई लोग सट्टे का नम्बर भी लेने आते थे आरोपियों को बाबा के पास दो चार लाख रूपये नकद मिलने की संभावना होने पर बाबा की हत्या कर लूट करने की, योजना बनाई योजना अनुसार तीन आरोपी दिनांक 18/10/2023 को रात्री मे मुन्ना बाबा के खेत पर बनी कुठरिया पर पहुँचे किन्तु रात्री मे बाबा के पास एक अन्य व्यक्ति कुठरिया पर होने से आरोपीगण रात्री मे खेतो मे सोते रहे सुबह जब बाबा के पास रुका व्यक्ति वहाँ से चला गया तो दिनांक 19/08/23 के 10 बजे तीनो आरोपी बाबा की कुठरिया पर पहुँचे तथा पहले बाबा के सिर पर ईट मारकर घायल कर दिया फिर साफी से गला दवाकर एवं सिर पर पत्थर पटककर हत्या कर दी एवं मृतक के शव को बाजरे खेत हाथ पैर बांधकर फेक दिया बाबा की कुठरिया की तलाशी में आरोपी गणो को मात्र 2500 रुपये नकद मिले तो आरोपीगण बाबा के खेत पर रखे ट्रेक्टर ट्राली के साथ अन्य घरेलू सामान ट्राली में डालकर अपने साथ ले गये। उक्त प्रकरण मे दो आरोपी जिला जालौन यूपी के है। जिनकी तलाश की जा रही है।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गोहद निरीक्षक राजेश शर्मा,उपनिरीक्षक ध्यानेन्द्र सिंह,प्रधान आरक्षक अनिल शर्मा,आरक्षक नीरज शर्मा उग्रसेन, नवीन शर्मा, सतेन्द्र गुर्जर,संतोष कुमार, खैम सिंह,पदम सिहं, कुलदीप सिंह, बीडीएस आशीष शर्मा की सराहनीय भूमिका रही ।

जीत से पहले जश्न की तैयारी शिवपुरी शहर के 56 स्थानो पर छप्पन भोग की तर्ज पर 56 प्रकार के व्यंजनों के भंडारे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र की यहां भाजपा के प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार जैन पत्ते वाले और कांग्रेस के प्रत्याशी केपी सिंह कक्काजू के बीच सीधा मुकावला है। इसी बीच एक्जिट पोल में यह सीट भाजपा के खाते में जाती हुई दिखाई गई है। इसे लेकर देवेन्द्र जैन के समर्थक इतने आश्वस्त है कि उन्होंने मदगणना के पहले ही जीत के जश्न की तैयारी कर ली है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जैन समर्थकों ने अपने भावी विधायक के स्वागत के लिए शिवपुरी शहर के 56 स्थानो पर छप्पन भोग की तर्ज पर 56 प्रकार के व्यंजनों के भंडारे आयोजित करने का ताना-बाना बुना है। जानकारी के अनुसार इनके समर्थकों ने विजय जुलूस के लिए चिन्हित किए गए स्थान पर 56 स्थान को चिन्हित कर वहां अलग- अलग प्रकार के व्यंजनों के भंडारे का आयोजन करने का निर्णय लिया है। एक समर्थक ने हमें बताया कि उस दिन शहर मे इतने प्रकार के व्यंजन के भंडारे होंगे कि शिवपुरी की जनता यह तय नहीं कर पाएगी कि क्या खाएं और क्या छोड़े? एक अन्य सूचना के अनुसार एक पूर्व विधायक के समर्थकों ने पत्ते वालों की जीत के लिए आतिशी तैयारी की है यदि इनकी बात को माना जाए तो उनके अनुसार उस दिन तकरीबन 5 लाख से अधिक की आतिशबाजी चलाई जाने की तैयारी है।

मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला दण्डाधिकारी रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा मतगणना के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधित आदेश पारित किया है।जारी आदेश के तहत विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु शासकीय श्रीमंत माधवराव स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में 3 दिसम्बर को मतगणना का कार्य किया जाएगा। परिसर के 100 मीटर तक के क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करते हुए निषेधित क्षेत्र घोषित किया है। यह प्रतिबंध शासकीय वाहनों पर लागू नहीं होगा। महाविद्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में व्यक्ति समूह में एक साथ न तो एकत्रित होंगे और न ही आवाजाही करेंगे। किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति प्रतिबंधित सामान जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट - मोबाईल फोन, स्मार्ट घडियों, ब्लूटूथ डिवाइस, हेडफोन, बटनहोल कैमरा, स्कैनर, कैलकुलेटर, स्टोरेड डिवाइस आदि को ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतगणना भवन में धूम्रपान (बीड़ी, सिगरेट एवं पान तम्बाकू), माचिस, लाईटर, ज्वलनशील पदार्थ जैसे पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल, लकड़ी, कागज, लिक्विड पैट्रोलियम गैस इत्यादि ले जाना पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा।उक्त आदेश का उल्लंघन पाये जाने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड विधान व अन्य विधिक प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश मतगणना 3 दिसम्बर को प्रातः 6 बजे से मतगणना समाप्ति तक प्रभावशील रहेगा।

एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान तथा जिला एड्स निवारण एवं नियंत्रण इकाई के सहयोग से ग्राम चांदी विकासखण्ड जवा में एड्स के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अरूणेद्र मिश्रा ने अपने उद्बोधन में एड्स के फैलने के विभिन्न कारणों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि एड्स छूने से साथ रहने से नहीं फैलता।संस्थान के निर्देशक सुशील शुक्ला ने कहा कि एड्स के प्रति जागरूक रहना ही इस गंभीर लाइलाज बीमारी का उपचार है। इसलिए जब हम कभी रक्त लेते है अथवा देते है अथवा इजेक्शन लगवाते है तो हमेशा नई निडिल का ही उपयोग करना चाहिए। यह मुख्यतः चार कारणों से फैलता है असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित माँ से शिशु में, संक्रमित रक्त से। कार्यक्रम में उपस्थिति डॉ. रोहित मिश्रा ने कहा कि यह वायरस से फैलने वाली बीमारी है जो हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देती है जिससे अन्य छोटी-छोटी बीमारियां गंभीर रूप धारण कर लेती है। कार्यक्रम में प्राचार्य विश्वनाथ दुबे, राजेश गौतम, राजेश मिश्रा, विश्वजीत विश्वकर्मा, श्रीमती नीलम सिंह, प्रीति साहू उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री राज्यवर्धन तिवारी ने किया।

मतगणना स्थल पर सभी तैयारियां पूरी चाक चौबंद व्यवस्थाओं के बीच होगी मतगणना

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवंबर को मतदान हुआ। अब 3 दिसंबर को मतगणना की जाएगी। मतगणना की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। चाक चौबंद व्यवस्थाओं के बीच मतगणना की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की पांच विधानसभा करेरा, पोहरी, शिवपुरी, पिछोर व कोलारस की मतगणना शासकीय पीजी कॉलेज शिवपुरी में होगी। मतगणना प्रातः 8ः00 बजे से शुरू होगी। जिसमें प्रातः 8 बजे पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होगी। इसके बाद 8ः30 बजे ईवीएम मशीनों की गणना शुरू होगी।

प्रत्येक कक्ष में रहेंगी 16 टेबल- मतगणना के लिए विधानसभा वार प्रत्येक कक्ष में 16- 16 टेबल लगाई गई हैं। शिवपुरी विधानसभा के पोस्टल बैलेट के लिए चार टेबल और पिछोर के लिए तीन टेबल और बाकी विधानसभा में पोस्टल बैलेट के लिए दो-दो टेबल रहेंगी।

सुरक्षा व्यवस्था-मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, जिसमें एसएएफ,पुलिस और सीआरपीएफ का फोर्स तैनात रहेगा। मतगणना में लगे अधिकारी कर्मचारी मतगणना एजेंट और मीडिया प्रतिनिधियों को प्रवेश पत्र के साथ ही प्रवेश दिया जाएगा।

मोबाइल फोन व धूम्रपान प्रतिबंधित- मतगणना स्थल में मोबाइल फोन सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस नहीं ले जा सकेंगे। बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू किसी भी प्रकार का धूम्रपान प्रतिबंधित रहेगा

मतगणना स्थल में रहेगी उपचार की सुविधा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना स्थल पर उपचार की समुचित व्यवस्था की गयी है। इस संबंध में जिले पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि मतगणना स्थल पर प्रातः 5 बजे से मेडिकल टीम आवश्यक दवाओं के साथ तैनात हो जायेगी। टीम में चिकित्सक तथा अन्य चिकित्सा कर्मी शामिल रहेंगे। मतगणना स्थल में एम्बुलेंस भी तैनात रहेगी जिससे किसी भी प्रकार की आकस्मिक उपचार आवश्यकता होने पर पी?ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मेडिकल टीम की आवश्यक उपकरणों तथा दवाओं के साथ तैनाती करें साथ ही जिला निर्वाचन कार्यालय से तैनात टीम के सदस्यों के पास प्राप्त कर उपलब्ध करायें जिससे उन्हें मतगणना केन्द्र परिसर में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

मतगणना दिवस में बन्द रहेंगी मदिरा दुकानें

पुष्पांजली टुडे

रीवा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत मतगणना दिवस में जिलेभर में सभी देशी तथा विदेशी शराब की मदिरा दुकानें बन्द कर दी जाएंगी। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने मतगणना दिवस 3 दिसंबर को पूरे दिन जिलेभर में मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध की अवधि में मदिरा का क्रय, विक्रय एवं परिवहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

बालाघाट की 6 विधानसभाओं के 67 प्रत्याशियों के लिये 1147550 मतों की गणना आज

800 सुरक्षाकर्मियों की चॉक चौबंद व्यवस्थाओं के बीच मतगणना स्थल बना छावनीं

हमेश कटरे रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे न्यूज बालाघाट

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत आयोग के निर्देशानुसार 17 नवम्बर को जिले की 6 विधानसभाओं में हुये मतदान की मतगणना रविवार को की जायेगी। मतगणना स्थोल पर अंतिम चरणों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने समस्त रिटर्निंग अधिकारियों और नोडल अधिकारियों को अपने अपने जिम्मे दी गई व्यवस्थाओं को बखुबी पुरा करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि अंतिम रूप से सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को एक बार पुनः देखें और आवश्यक समझे तो रिहल्सल भी करे। डीईओ डॉ. मिश्रा ने मतगणना स्थल पर होने वाले मतों की गणना के कक्षों में सीसीटीवी कैमरे पर विशेष जोर दिया। साथ ही सीसीटीवी कैमरों का बैकअप प्रेक्षकों के कक्ष में देते हुये ड्रायरन भी करने के निर्देश दिये। वहीं मतगणना स्थल पर पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने भी अपने अमले के साथ मतगणना स्थ ल की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अभ्यर्थियों, गणना एजेंट, शासकीय सेवक और मीडिया के आने जाने के मार्ग पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित किया। इसके अलावा निर्वाचन आयोग द्वारा बालाघाट विधानसभा के लिये नियुक्त रिटर्निंग अधिकारी श्री उमेश चंद्र कौरव ने भी अपने विधानसभा कक्ष में होने वाली गणना की तैयारियों देखी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री डीएस रणदा, एडीएम श्री ओपी सनोडिया, एएसपी श्री विजय डावर, सीएसपी श्री अंजुल मिश्रा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम में दर्ज 1147550 मत खुलेंगे आज-17 नवम्बर को जिले के 1675 मतदान केंद्रो पर ईवीएम के माध्यम से कुल 1147550 मतदाताओं ने मतदान किया था। जिसकी गणना रविवार सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। मतदान में 580319 महिलाओं व 567231 पुरूषों ने मतदान कर 85.33 प्रतिशत मतदान किया था। जिले की 6 विधानसभाओं में कुल 67 प्रत्याशियों में निर्वाचन क्षेत्र बैहर-108 में भगत सिंह नेताम, संजय उइके, अशोक मसीह धुर्वे, फत्तेसिंह कमलेश, डिलन सिंह कोडापे, दीपक उइके, बुधराम धुर्वे, रोशनी तिलगाम, सोनल सिरसाम व संजय मसराम शामिल है। निर्वाचन क्षेत्र लांजी-109 में अशोक मरठे, राजकुमार करांहे, हिना लिखीराम कावरे, बसंत कुमार बोपचे, मोतीलाल बिसराम बिसेन, ओमप्रकाश उर्फ ओम येड़े, चुन्नेलाल सुदराम हरदे, ज्योति ईश्वर उमरे, ताराचंद कचलाहे और सुनील शर्मा (महाराज) शामिल है। निर्वाचन क्षेत्र परसवाड़ा-110 में मधु भाऊ भगत, कावरे रामकिशोर (नानो), शिवशंकर यादव, कंकर मुंजारे, ओमप्रकाश पटेल, जीवन सिंह टेकाम, पुष्पेंद्र पटले, ब्रजलाल टेकाम व मुकेश बघेले शामिल है।

निर्वाचन क्षेत्र बालाघाट-111 में अनुभा मुंजारे, कमलकिशोर राऊत, गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन, शिव जायसवाल, जितेंद्र गोयल, दिनेश, मोहन कुमार राऊत, विजय कुमार पटले, अधिवक्ता सत्य प्रकाश शुल्के, अजेय विशाल बिसेन, दीपक पंचेश्वर, धनीराम, बब्बन खान, मनीषा नानू वैद्य, महेंद्र सिहोरे, रूपलाल कुतराहे(समाज सेवक) व ज्ञानसिंह इड़पाचे शामिल है। निर्वाचन क्षेत्र वारासिवनी-112 में अजाब शास्त्री , प्रदीप अमृतलाल जायसवाल (गुड्डा), विवेक विक्की पटेल, डिलेंद्र पघरे, रूपेश कुमार नागोते, इंजि. हीरालाल भगत, चुन्नी भाऊ धुवारे (कलार), दीपक पींचा मनोज मेहरबान (कलार), मनोज लिल्हाजरे व डॉ. रामलाल मसराम शामिल है। निर्वाचन क्षेत्र कटंगी-113 में उदय सिंह पंचेश्वर गुरूजी, गौरव सिंह पारधी, इंजी. प्रशांत भाऊ, बोधसिंह भगत, महेश सहारे, सदाशिव हरिणखेड़े, केसर बिसेन (बहनजी), भरत मुलकराज, आनंद भौनेंद्र, मिश्रीलाल डहरवाल व मुलकराज आनंद शामिल है।

सीएपीएफ व एसएएफ की कड़ी निगरानी के बीच होगी इंट्री-मतगणना स्थल अब पुरी तरह छावनी में तब्दील हो

गया है। यहां सुरक्षाकर्मियों की कड़ी निगरानी में इंट्री निर्धारित प्राधिकार पत्र के माध्यम से ही हो सकेगी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 एएसपी, 6 डीएसपी, 22 टीआई, 60 एसआई, 50 सीएपीएफ, 130 एसएएफ और 10 होम गॉर्ड के जवानों की तैनाती की गई है। पुरे मतगणना परिसर में 800 सुरक्षाकर्मी मतगणना के लिये दायित्व निभायेंगे जबकि पूर्व से ही स्ट्रांग रूम की निगरानी में लगे सीएपीएफ के जवान अलग है।

अस्थायी स्ट्रांग रूम से डाक मतपत्र की पेटियॉ भी पहुंची-निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शनिवार को ठीक 3 बजे विभिन्न विधासभाओं में बनाये गए अस्थायी स्ट्रांग रूम से डाक मतपत्रों की पेटियॉ वाहनों के माध्यम से कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना स्थभल में बनाये गए स्ट्रांग रूम में पहुंची। इस दौरान राजनितिक दलों व अभ्यर्थी भी मौजूद रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री केसी ठाकुर ने जानकारी देते हुये बताया कि डाक मतपत्र लाने के लिये सुरक्षा जवानों की कड़ी निगरानी के अलावा अस्था यी स्ट्रां ग रूम से वाहन में रखे जाने व वाहन के रवानगी से लेकर पहुंचने तक की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की गई है।

विधासभावार प्रेक्षकों की रहेगी निगरानी-निर्वाचन आयोग द्वारा बालाघाट जिले की 6 विधानसभाओं की मतगणना के लिए 6 सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किये गए है। आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा बैहर-108 के लिए सामान्य प्रेक्षक डॉ. एचपी तुम्मोड़, 109-लांजी के लिए श्री उदय प्रताप सिंह, 110-परसवाड़ा के लिए श्री सुथफरू मोग, 111-बालाघाट के लिए डॉ. आर. आंनद कुमार, 112-वारासिवनी के लिए श्री रामदयाल मीणा और 113- कटंगी के लिए डॉ. नरेंद्र चौधरी को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया है। सभी प्रेक्षकों के लिये मतगणना स्थल पर प्रेक्षक कक्ष बनाया गया है जहां मतगणना स्थल के चप्पे चप्पे पर लगाये गए सीसीटीवी कैमरों का सीधा प्रसारण उनके कक्ष में किया गया है।

बैहर के 15 और परसवाड़ा के 18 राउंड होंगे-जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा बैहर, परसवाड़ा, लांजी व बालाघाट तथा डाक मतपत्रों की गणना के लिये टेबल बढ़ाने के प्रस्ताव को निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई स्वीकृति के अनुसार टेबलों की संख्या बढ़ाई गई है। अब बैहर विधानसभा की 21 टेबलों पर 15.28 राउंड में मतगणना पूर्ण होगी। इसी तरह लांजी विधानसभा में 18.3, परसवाड़ा में 18.6, बालाघाट में 17.2, वारासिवनी में 16.9 और कटंगी विधानसभा में 17.7 चरणों में ईवीएम से मतगणना पूर्ण होगी। इसके अलावा 5 विधानसभाओं बैहर, लांजी, परसवाड़ा, वारासिवनी और कटंगी में 3-3 टेबलों व बालाघाट में 4 टेबलों पर डाक मतपत्र/ईटीपीबीएस की गणना की जायेगी।

तृतीय रेंडमाईजेशन मतगणना से पूर्व- आयोग के निर्देशानुसार मतगणना में शामिल होने वाले शासकीय सेवकों का अंतिम तृतीय रेंडमाईजेशन मतगणना से ठीक पूर्व किया जायेगा। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गणना पर्यवेक्षकों, गणना सहायक और माइक्रो आब्जार्वर का रेंडमाईजेशन सुबह 5 बजे किया जायेगा। मतगणना में कुल 553 कर्मचारी शामिल है जो टेबलों पर मौजूद रहकर ईवीएम और डाक मतपत्रों की गणना करेंगे। इसके अलावा मतगणना पर अलग अलग नोडल अधिकारियों को सौपे गये दायित्व की पूर्ति के लिये करीब 300 से अधिक शासकीय सेवक लगाये गए है। शनिवार को भी आयोग के निर्देशानुसार वीसी कक्ष में गणना करने वाले शासकीय सेवकों का द्वितीय रेंडमाईजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा व प्रेक्षकों की मौजूदगी में सुबह 8 बजे किया गया।

जिले में सबसे अधिक बैहर विधानसभा में मतदान केंद्र-विधानसभा निर्वाचन 2023 में 1147550 मतदाताओं ने 1675 मतदान केंद्रो पर अपना मतदान किया था। इसमें बैहर विधानसभा में 321 मतदान केंद्र, लांजी में 294, परसवाड़ा में 298, बालाघाट में 276, वारासिवनी में 237 और कटंगी विधानसभा में 249 मतदान केंद्र बनाये गए थे।

पुलिस ने तैयार किया शहर का यातायात प्लान-मतगणना स्थल पर आने जाने के लिये पुलिस विभाग द्वारा नगर का यातायात व्यवस्था का प्लान तैयार किया गया है। जिसमें रविवार को प्रातः 5 बजे से रात 9 बजे तक आमजनों के लिये प्रतिबंधित क्षेत्र बनाये गए है। इसके अंतर्गत मोती गार्डन चौक से जागपुर घाट व गायखुरी तक आमजनों के लिये पूर्णतः आवागमन बंद रहेगा। साथ ही पुलिस द्वारा डायवर्सन मार्ग भी बनाये गए है। जिसके अनुसार शहर में भारी वाहन प्रवेश न कर बाईपास सरेखा से बैहर रोड होकर आवागमन करेंगे। वहीं भारी वाहन शहर में न आकर बाईपास डेंजर रोड होकर आवागमन करेंगे। शहर में दोपहर 3 बजे से आगामी आदेश तक नो इंट्री की गई है। साथ ही लांजी व गोंदिया आने जाने वाली बसें बैहर रोड होते हुये सरेखा बाईपास से बस स्टैंड की ओर आवागमन करेगी। वहीं अम्बेडकर चौक-मोती गार्डन चौक से गुरूद्वारा चौक तक भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा मतगणना स्थरल पर वाहनों की पार्किंग वीआईपी वाहनों की पार्किंग पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने ग्राउंड पर, शासकीय अधिकारी एवं आरओ, एआरओ के लिये पॉर्किंग पॉलिटेक्निक छात्रावास ग्राउंड पर, शासकीय कर्मचारी मीडिया एवं मतदान अभिकर्ताओं के लिये पार्किंग पावर हाउस ग्राउंड एवं गणेश विसर्जन ग्राउंड एवं जागपुर घाट ग्राउंड एवं कृष्णा मेडिकल के सामने ग्राउंड पर तथा मतगणना स्थल की ओर जाने वाले एवं जुलुस में सम्मिलित होने वाले व्यएक्ति अपनी टु व्हीलर एवं फोर व्हीलर वाहन उत्कृष्ट ग्राउंड स्थल पर पॉर्किंग करेंगे। मतगणना स्थाल पर मोबाईल फोन पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

संपादकीय

खालिस्तानियों की शर्मनाक हरकत

भारत से राजनयिक विवाद के बावजूद जहां कनाडा में खालिस्तान समर्थकों का उत्पात जारी है वहीं अमेरिका के न्यूयार्क में गुरुपर्व के मौके पर गुरुद्वारे में माथा टेकने गए भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह घ्संधू से खालिस्तान समर्थकों की धक्का–मुक्की और शर्मनाक व्यवहार की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उन्होंने ही एसएफजे के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश भी रची है। कनाडा में खालिस्तानी तत्व लगातार हिन्दू मंदिरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और पन्नू ने तो यह धमकी भी दी है कि कनाडा से हिन्दुओं को निकाला जाना चाहिए। पन्नू ने हाल ही में एयर इंडिया के विमानों को निशाना बनाने की धमकी दी थी और वह लगातार भारत के विरुद्ध जहर उगल रहा है। पन्नू अमृतसर के गांव खानकोट का रहने वाला है और वह अमेरिका में रहकर पंजाब में खालिस्तानी अलगाववादी मुहिम चला रहा है। भारत ने उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर एक दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं। वह कथित खालिस्तान की स्थापना को लेकर डींगे हांकता रहता है। एक आतंकी इतना प्रभावशाली हो चुका है घ्जो कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय को धर्म के आधार पर घ्विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। कनाडा में मुट्ठी भर खालिस्तान समर्थकों ने मंदिर के सामने प्रदर्शन किया तो हिन्दू समुदाय के लोग भी उनके सामने खड़े हो गए। जब भारत माता की जय के नारे गूंजे तो खालिस्तान समर्थक भाग खड़े हुए। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका को लेकर जो आरोप लगाए हैं, अमेरिका ने ही इस मामले में उन्हें खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। हाल ही में अमेरिकी अखबार फाइनैंशियल टाइम्स ने भी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका ने अपने देश की भूमि पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को नाकाम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस साजिश में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके बाद अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं कि अमेरिका भारत से कैसे रिश्ते रखना चाहता है। पन्नू को अमेरिका की नागरिकता हासिल है और इन रिपोर्टों का अर्थ यही है कि उसे कनाडा और अमेरिका की सरकारों का संरक्षण प्राप्त है। अमेरिका ने तो भारत को यहां तक कह दिया था कि वह आतंकवादी निज्जर की हत्या की जांच में कनाडा को सहयोग करेगा। हैरानी इस बात की है कि जिस अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन की तलाश में अफगानिस्तान की तेरा बोरा पहाड़ियों की खाक छानी और अंततः पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था, जिस अमेरिका ने अफगानिस्तान में छिपे बैठे अल जवाहरी को ड्रोन घ्मिसाइल से मार गिया और जिस अमेरिका ने इराक में घुसकर सद्दाम हुसैन को ढूंढकर फांसी पर चढ़ाया था उसे आतंकीघ निज्जर की हत्या और पन्नू पर हमले की साजिश की इतनी चिंता क्यों है? क्या कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस पर कभी सवाल उठाया था। जस्टिन ट्रूडो एक के बाद एक गलतियां कर रहे हैं, जिसके चलते कनाडा में किसी दूसरे देश की तुलना में ज्यादा आतंकी और गैंगस्टर मौजूद हैं। यह ड्रग तस्कर, आतंकवादी और गैंगस्टर आपस में लड़ रहे हैं। यह वही खालिस्तानी हैं जिन्होंने भारत के कनिष्क विमान को उड़ा दिया था,घ जिसमें 300 से ज्यादा कनाडाई नागरिक मारे गए थे। वहां खालिस्तान समर्थक अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। ट्रूडो का खालिस्तान समर्थकों से समझौता है। इसके पीछे कारण यह है कि उनकी अल्पमत सरकार कोघ्खालिस्तानी पार्टियों का समर्थन प्राप्त है। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए ही ट्रूडो भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। कनाडा में ट्रूडो की लोकप्रियता महंगाई और बेरोजगारी तथा लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के चलते घट चुकी है और वह जैसे–तैसे अपना पद बचाने केघ लिए जुगाड़ में लगे हैं। अमेरिका एक तरफ भारत से व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है। इसी महीने भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू मंत्रीस्तर की वार्ता हुई है लेघ्किन वह आतंकवाद के मामले में दोगली चाल चल रहा है। इस विवाद से यह संकेत भी मिलता है कि अगर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ा तो अमेरिका की कूटनीतिक प्राथमिकताएं क्या होंगी। हालांकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है लेकिन तथ्य यह है कि कनाडा अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और अमेरिका–मैक्सिको–कनाडा समझौते की बदौलत उनके पारम्परिक रिश्ते रहे हैं। एक करीबी आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदार तथा चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए एक बिना जांचे परखे साझेदार के बीच चुनने में शायद अमेरिका को कोई संशय न हो। खासकर तब जब अमेरिका जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के माध्यम से त्रिपक्षीय गठजोड़ के रूप में विकल्प तलाश रहा हो। ऐसे में कनाडा को लेकर भारत की नाराजगी उचित हो सकती है लेकिन भारत को शायद घरेलू और विदेश नीति संबंधी लक्ष्यों में संतुलन कायम करना पड़े।

इन चुनावों से खुलेंगी नयी राहें

अशोक कुमार सिंह

इन पांच राज्यों के चुनावों में, खासकर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा द्वारा साम्प्रदायिकता का कार्ड खेलने की भी कोशिश हुई जो नाकाम रही। उसके मुकाबले जनहित के मुद्दे हावी रहे।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में दक्षिणी राज्य तेलंगाना में गुरुवार को मतदान हो जाने के बाद अब सीधे अगले वर्ष के मध्य में लोकसभा के चुनाव होंगे। जैसा सियासी माहौल प्रचार अभियानों के दौरान नजर आया और विश्लेषकों को महसूस हुआ है उससे यह राय सहज ही बन रही है कि इन राज्यों के मतदान के जो परिणाम 3 दिसम्बर को आएंगे उनसे जनता के समक्ष नयी राहें खुलने जा रही हैं जो मौजूदा परिस्थितियों से देश को निकालने में सक्षम होंगी। वैसे तो एक संघीय ढांचे के अंतर्गत हर स्तर के चुनावों का अपना महत्व होता हैय चाहे वह स्थानीय निकायों का ही क्यों न हो, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश में अराजकता का माहौल पैदा किया है उससे यह बात तो साफ हो गयी है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते देश में लोकतंत्र सुरक्षित नहीं रह सकता। वैसे तो 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद से ही मोदी ने सारी ताकत अपने हाथों में लेकर जनता पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था, लेकिन उनका और भी अलोकतांत्रिक व्यवहार दूसरी बार अधिक विशाल बहुमत प्राप्त करने के बाद और भी बड़े स्वरूप में देखने को मिला। जितना खुलकर उन्होंने विपक्षी सरकारों को अस्थिर या परेशान किया, वैसा कभी भी भारत में देखने को नहीं मिला था। उनका 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा कब 'विपक्ष मुक्त भारत' में बदल गया, पता भी नहीं चला। इस अलोकतांत्रिक नारे को उन्होंने ऐसा लोकप्रिय बना दिया कि लोग विधायकों की खरीद–फरोख्त कर या डरा–धमकाकर निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने की काली करतूतों को चाणक्यगिरी या ऑपरेशन लोटस का नाम देकर महिमामंडित करने लगे। यह ऐसा भी समय है जब मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों का खुला उपयोग विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिये किया जा रहा है। इन एजेंसियों के लिये सम्भवतः स्पष्ट निर्देश हैं कि उनकी कार्रवाइयां केवल विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ही होनी हैं। भाजपा व उनके समर्थक दलों व लोगों की ओर से आंखें मूंद ली जाती हैं। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें से एक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ महादेव एप की ओर से 508 करोड़ रुपये देने का आरोप लगाया गया तो वहीं मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व केन्द्रीय मंत्री के पुत्र, जो दिल्ली से आकर विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं, वीडियो पर 100 और 500 करोड़ रुपयों की डील करते दिखते हैं। उनके घर पर प्रवर्तन निदेशालय, आयकर या सीबीआई के अधिकारी नहीं पहुंचते। केन्द्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका एक तरह से भाजपा को मदद देने मात्र की रह गई है। इन पांच राज्यों के चुनावों में, खासकर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा द्वारा साम्प्रदायिकता का कार्ड खेलने की भी कोशिश हुई जो नाकाम रही। उसके मुकाबले जनहित के मुद्दे हावी रहे। यहां तक कि विकास की चर्चा से दूर भागने वाली भाजपा को इन तीनों प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिये वादों और गारंटियों की बात करनी पड़ी। उसे शिक्षा, रोजगार, खेती–किसानी, स्वास्थ्य आदि को भी अपने घोषणापत्रों में शामिल करना पड़ा जो उसकी परम्परा के अनुकूल नहीं है– खासकर हाल के वर्षों में। उम्मीद है कि अगर इन राज्यों में भाजपा की हार होती है, जिसके अनुमान कई विश्लेषक, सर्वेक्षण आदि कर रहे हैं, तो भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में नये सिरे से मुद्दों की तलाश करनी होगी। हालांकि अयोध्या के नवनिर्मित राममंदिर को बेशक मुद्दा बनाया जायेगा जिसका उद्घाटन मोदी के हाथों 22 जनवरी को होने जा रहा है। फिर भी वर्तमान राजनैतिक माहौल में लगता है कि जनता इसे विशेष तवज्जो नहीं देगी तथा इन्हीं चुनावों के नतीजे राममंदिर मुद्दे को पहले से ही बेअसर कर देंगे।इसी सम्भावित पराजय के कारण इन राज्यों के पूरे प्रचार अभियान के दौरान बौखलाई भाजपा एवं मोदी कांग्रेस, विशेषकर उसके प्रमुख नेता राहुल गांधी को अपने खास निशाने पर लेते रहे। उनके लिये अपशब्दों के जरिये अपमान होता रहा, लेकिन पिछले साल की 7 सितम्बर से इस वर्ष 30 जनवरी तक राहुल की श्भारत जोड़ो यात्राश्य ने जो परिदृश्य बदला है, उसके कारण लोगों का उनसे बड़े पैमाने पर जुड़ाव हुआ। उनका लोगों से नये सिरे से परिचय हुआ और इसी दौरान मोदी का असली रूप भी सामने आने लगा। उनकी हर मोर्चे पर नाकामी, कारोबारी गौतम अदानी व मुकेश अंबानी की उनके साथ मित्रता आदि ऐसे अनेक मुद्दे सामने आये जिसने मोदी की मेहनत व करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई छवि को ध्वस्त कर रख दिया। इन चुनावों ने राहुल व कांग्रेस को बहुत सशक्त एवं एकजुट किया है। कुछ राज्यों में उनके नेताओं के बीच जो मतभेद थे वे भी जीत की प्रत्याशा में समाप्त हो गये। इसके विपरीत यह भी आशंका है कि जिस तरह से भाजपा की बड़ी पराजय के अनुमान लगाये जा रहे हैं, उससे खुद मोदी को अगले प्रधानमंत्री पद की दावेदारी प्रस्तुत करने में दिक्कत आ सकती है क्योंकि उनके साथ या उनके चेहरे पर चुनाव लड़ने में उनकी पार्टी के ही नेता व सांसद परहेज कर सकते हैं। कांग्रेस और उसके नेतृत्व में बना संयुक्त प्रतिपक्षी इंडिया गठबंधन दोनों उत्साहित हैं। इंडिया व भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच आमने–सामने का पहला मुकाबला भी अगले लोकसभा चुनावों में होगा। सम्भवतरू इन चुनावों के परिणामों से भारतीय जनतंत्र की नयी राहें खुल सकती हैं।

बराबरी का हक और बराबरी का दिखावा

सर्वमित्रा सुरजन

अपने उपन्यास एनिमल फॉर्म में जॉर्ज ऑरवेल ने लिखा है– ऑल एनिमल्स आर इक्वल, बट सम एनिमल्स आर मोर इक्वल दैन अदर्स। यानी सभी जानवर समान हैं , लेकिन कुछ जानवर दूसरों की तुलना में अधिक समान हैं। बराबरी के दिखावे पर यह अनुपम उदाहरण सोशल मीडिया साइट एक्स की एक पोस्ट को देखकर याद आया। इसमें एक नोटिस की तस्वीर शेयर की गई थी। नोटिस में अंग्रेजी में लिखा था– हाउस मेड्स, डिलीवरी ब्वॉयज, एंड वर्कर्स शुड नॉट यूज पैसेंजर्स लिफ्ट. इन केस दे आर कॉट, दे विल बी फाइन्ड रू. 1000. ये किस शहर और किस सोसाइटी में लगा हुआ नोटिस है, ये तो पता नहीं, और ये भी कहना कठिन है कि जिन लोगों के लिए यह गैरकानूनी नोटिस चिपकाया गया है, उनमें से कितनों को इसकी भाषा समझ आई होगी। यह नोटिस अंग्रेजी में है, और देश के कामगार तबके के अधिकतर लोग प्रांतीय भाषाओं और बोलियों को ही जानते हैं। इस नोटिस को जिस किसी ने भी तैयार किया है, उसने किस आधार पर पकड़े जाने पर एक हजार रूपए के जुर्माने की बात लिखी है, यह भी समझ से परे है। क्योंकि लिफ्ट में जाना कोई कानूनन अपराध नहीं है। पकड़े जाने जैसी शब्दावली ऐसे लग रही है, मानो चोरी या कत्ल करते हुए कोई पकड़ा गया है। वैसे इस चेतावनीनुमा नोटिस में जो कुछ भी लिखा है, वो नए भारत का कड़वा सच है। करीब 12–15 पहले खबर पढ़ी थी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गढ़ बन चुके गुड़गांव की एक बहुमंजिला इमारत में घरेलू सहायकों और कुत्तों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था की गई है और वहां रहने वाले बाशिंदों के लिए अलग लिफ्ट है। तब देश में यूपीए सरकार थी और मीडिया उद्योगपतियों का पूरी तरह से गुलाम नहीं बना था, इसलिए ऐसी खबरें अखबारों में छप जाया करती थीं। हालांकि समाज में भेदभाव तब भी मौजूद था, अब भी उतनी ही सघनता से विद्यमान है। फर्क इतना ही है कि अब जैसे ही मौका मिलता है, भेदभाव तरल होकर समाज में खुल कर बहने भी लगता है। एक दशक पहले तक समाज में इंसानियत के लिहाज की मात्रा थोड़ी अधिक थी, आंखों में शर्म थोड़ी बहुत दिख जाती थी। अब वह सब बड़ी तेजी से विलुप्त होता जा रहा है। बिल्कुल आयातित चीतों की तरह। बहरहाल, इस नोटिस को देखकर ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि नगरीय जीवन में अब यह आम चलन हो गया है। लगभग हर बहुमंजिला इमारत में कामगारों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था है, जिसे सर्विस लिफ्ट कहा जाता है। कोरोना काल में अलग लिफ्ट के नियम का और कड़ाई से पालन होने लगा, क्योंकि संपन्न तबके के लोग यही मानकर चलते हैं कि सारी गंदगी और बीमारियां झुग्गियों में रहने वाले लोग ही उन तक पहुंचाते हैं। यह तथ्य पता नहीं कितने लोगों को याद है कि देश में कोरोना का प्रवेश हवाई यात्रा करने वालों की बदौलत हुआ है। यह भी सोचने की बात है कि आखिर किन कारणों से झुग्गी–झोपड़ियों या निचली बस्तियों में गंदगी और बीमारी फैलती है। क्यों वहां के लोग अच्छी हवा और पानी से वंचित रहते हैं। कौन उनके हक को मारकर अपनी जेबें और कोठियां भर रहा है। चंद लोगों के विलासितापूर्ण जीवन का मुगतान लाखों लोगों को क्यों करना पड़ रहा है। ऐसे सवाल समाज में अक्सर असुविधा पैदा कर देते हैं, इनके जवाब ढूंढने में खुद का सामना आईने से हो जाता है। इसलिए बेहतर यही होता है कि ऐसे मामलों की तह में जाएं ही नहीं और जैसा चल रहा है, वैसा ही चलने दें। जब देश गुलाम था, तब लोगों को खरीदने–बेचने का चलन था, दास प्रथा चलती थी, निचली जाति या हैसियत के लोगों को धन और सत्ता की शक्ति से संपन्न लोगों की चाकरी करनी पड़ती थी। देश आजाद हो गया, तो संविधान निर्माताओं ने भारत की इस सामाजिक सच्चाई को समझते हुए नियम–कानून बनाए। सबके लिए बराबरी का अधिकार निश्चित किया। हालांकि वे भी जानते थे कि भारत अपनी भेदभाव वाली मानसिकता से इतनी जल्दी नहीं उबर पाएगा, फिर भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अपनी ओर से नए भारत को जो बेहतरीन तोहफा दे सकते थे, वो संविधान के रूप में दिया। अफसोस ये है कि इस संविधान का पूरा लाभ उन नागरिकों को ही नहीं मिल रहा है, जिन्हें खास तौर पर ध्यान में रखते हुए बराबरी के अधिकार को शामिल किया गया है। चाकरी, गुलामी, दासता, जो कह लें, शक्तिशाली और प्रभावशाली लोगों की बदौलत अब भी समाज में विद्यमान हैं। तीन दिन पहले ही देश की सरकार ने संविधान दिवस मनाया है। मोदी सरकार के आने के बाद से 26 जनवरी के साथ–साथ 26 नवंबर का महत्व भी बढ़ा दिया गया है।इस बार तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिन मन की बात भी की, क्योंकि महीने का आखिरी रविवार था। खैर, 26 नवंबर के ही दिन हमारे रिहायशी इलाके के व्हाट्सऐप ग्रुप पर एक चर्चा छिड़ी, जिसमें इस बात पर कुछ लोगों ने आपत्ति जतलाई कि सोसाइटी परिसर के भीतर मौजूद ब्यूटी पार्लर में घर में काम करने वाली मेड्स यानी सहायिकाओं को क्यों प्रवेश दिया जा रहा है। बाकायदा सवाल उठाया गया कि फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर या बाल कटवाने के लिए ये सहायिकाएं उस पार्लर में कैसे जा सकती हैं, और इनके पास इतने पैसे कहां से आते हैं कि ये पार्लर का खर्च उठा सकें। कुछ लोगों ने यह मांग भी उठाई कि पार्लर के मालिक के खिलाफ शिकायत कर इसे बंद करवाना चाहिए। इस सवाल को देखकर मन भीतर तक वितृष्णा से भर उठा कि आखिर सभ्य समाज में रहने वाला इंसान इतनी गिरी हुई सोच कैसे ला सकता है और इतना दुस्साहस कैसे जुटा सकता है कि ऐसे सवाल उठाए। हालांकि ये देखकर संतोष हुआ कि कुछ लोगों ने फौरन ऐसे सवाल का प्रतिवाद किया और पूछा कि हम इन मेड्स से अपना घर साफ करवा सकते हैं, इनका बनाया भोजन ग्रहण कर सकते हैं, अपने बच्चों को इनके भरोसे छोड़ सकते हैं, लेकिन अगर ये अपने सौंदर्य पर अपने पैसे खर्च करना चाहें और संपन्न घरों की महिलाओं की तरह पार्लर में जाएं, तो किसी को तकलीफ क्यों होनी चाहिए। कामगारों के लिए अलग लिफ्ट से होते हुए बात पार्लर जाने पर आपत्ति तक पहुंच गई, लेकिन मूल सवाल वही बना हुआ है कि आखिर धर्म, जाति, नस्ल और आर्थिक स्थिति का यह भेदभाव किस तरह खत्म होगा। संविधान ने केवल रास्ता दिखाया है, उस पर चलने की इच्छाशक्ति समाज को ही दिखानी होगी। फिल्म दीवार में अमिताभ बच्चन का एक डायलॉग काफी चर्चित हुआ था, जिसमें वे एक बिल्डिंग को खरीदते हैं और कहते हैं कि आपने इसके 10 लाख रूपए और मांगे होते तो भी मैं दे देता। आज से बीस बरस पहले जब ये बिल्डिंग बन रही थी, तो मेरी मां ने इसमें ईंटें उठाई थीं। आज मैं ये बिल्डिंग अपनी मां को तोहफे में देने जा रहा हूं। अब जिंदगी तो कोई फिल्म नहीं है, जिसमें इस तरह के संवाद कहने–सुनने मिलें। ऊंची इमारतों से लेकर, चौड़ी सड़कों और उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग तक, सबमें मजदूरों का खून–पसीना लगा होता है। एक बार निर्माण हो जाने के बाद इन पर पूंजीपतियों का कब्जा हो जाता है। मजदूर न लाखों–करोड़ों के घरों में कभी रह पाते हैं, न इन सड़कों पर रफ्तार भरने वाली गाड़ियों पर सवार हो पाते हैं। उन्हें उनकी मजदूरी के अतिरिक्त कोई तोहफा भी नहीं मिलने वाला। लेकिन संविधान में उनको जिस बराबरी का हक मिला हुआ है, उसे किसी भी तरह न मारा जाए, इतना ही ध्यान समाज रख ले तो गैरबराबरी दूर करने में यह बड़ा कदम होगा। फिर किसी बेटे को अपनी मां को तोहफा देने के लिए बेईमानी की राह पर नहीं चलना पड़ेगा।

तेलंगाना चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में तेजी से आगे बढ़ी कांग्रेस

कल्याणी शंकर

जैसे–जैसे तेलंगाना चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंचा, भारत का सबसे युवा राज्य त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.), कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 2014 में अपनी स्थापना के बाद से बी.आर.एस. प्रमुख के. चंद्रशेखर राव शीर्ष पर रहे हैं। वह हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। हालांकि, सत्ता विरोधी लहर उनके लिए एक बड़ी चुनौती है। अलग तेलंगाना आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के बावजूद, उन्हें विभिन्न कारणों से लोकप्रियता में गिरावट का सामना करना पड़ा है। 2018 में, आश्चर्यजनक रूप से, चुनावों को समय से पहले रखते हुए, टी.आर.एस. 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 19 और ए.आई.एम.आई.एम. ने 7 सीटें जीती थीं। वर्तमान में बी.आर.एस. अन्य दलों को तोड़कर कुल 99 सीटें बना चुकी हैं, जबकि कांग्रेस के पास 8 विधायक हैं। ए.आई.एम.आई.एम. और भाजपा के पास क्रमशरू 7 और 6 विधायक हैं। केसीआर ने अपने बेटे और बेटी सहित अपने परिवार के सदस्यों को प्रमुख पदों पर स्थापित किया है। उनके बेटे, केटी रामा राव, उपमुख्यमंत्री हैं, उनकी बेटी, कविता, एक सांसद हैं, और उनका भतीजा एक मंत्री है। राव के पास अपने और अपने परिवार के लिए बड़ी योजनाएं हैं। जीतने के बाद, वह अपने बेटे को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। राज्य स्तर के राजनेता होने से संतुष्ट नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी नजरें जमा ली हैं। पहले कदम के रूप में, केसीआर ने पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया, जो अधिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण की ओर बदलाव का संकेत है। राव ने पिछले दशक में तीसरा मोर्चा, संघीय मोर्चा और जिंजर ग्रुप बनाने का प्रयास किया था, लेकिन कोई उन्हें गंभीरता से लेने वाला नहीं था। नवगठित विपक्षी इंडिया गठबंधन ने भाजपा को चुनौती देने के अपने उद्देश्य के बावजूद, अभी तक केसीआर को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनका आरोप है कि केसीआर भाजपा की बी टीम है।यह चुनाव तीन प्राथमिक खिलाड़ियों के लिए एक सफल क्षण है, क्योंकि भाजपा तेलंगाना को दक्षिणी राजनीति में लाभ पाने के एक अवसर के रूप में देखता है। नतीजे निस्संदेह अगले साल के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे। तेलुगु देशम पार्टी (टी.डी.पी.) एक समय एक महत्वपूर्ण राजनीतिक खिलाड़ी थी, लेकिन पिछले दशक में कमजोर हो गई है। इसके नेता चंद्रबाबू नायडू भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं और उन्होंने घोषणा की है कि पार्टी आगामी चुनावों में भाग नहीं लेगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली है और बी.आर.एस. के लिए एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। राज्य में मुख्य विपक्षी दल बनने का भाजपा का लक्ष्य दूर की कौड़ी है। नगर निगम चुनाव में सुधार के बावजूद अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गई है। कर्नाटक में दो बार जीतने के अलावा, भाजपा का एन.आर. कांग्रेस के साथ गठबंधन को छोड़कर, दक्षिण भारत में कोई महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है। भाजपा उत्तर में किसी भी संभावित नुकसान को संतुलित करने के लिए दक्षिण में अधिक सीटें हासिल करने का इरादा रखती है, जहां उनका विस्तार पहले से ही अपने चरम पर है। कांग्रेस को 2014 में दबाव में आकर आंध्र प्रदेश को बांटने का अफसोस है। हैरानी की बात यह है कि यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया और तेलंगाना में टी.आर.एस. तथा आंध्र प्रदेश में वाई.एस.आर.सी.पी. को अपना लिया।केसीआर ने दो निर्वाचन क्षेत्रों, गजवेल और कामारेड्डी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। गजवेल में उनका मुकाबला बी.आर.एस. के एक बागी से है, जबकि कामारेड्डी में उनका मुकाबला कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी से होगा। उन्होंने जोखिम लेने के बावजूद पार्टी में किसी भी विद्रोह से बचने के लिए सभी मंत्रियों और वरिष्ठ विधायकों को बरकरार रखा है। हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी प्रतियोगिता में सबसे आगे है, उसके बाद बी.आर.एस. और भाजपा। बी.आर.एस. की पिछली बार की तुलना में कम सीटें जीतने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है। ए.आई.एम. आई.एम., जिसकी सीमित उपस्थिति है, वही सीटें बरकरार रख सकती है। कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार एक या दो सीटें जीत सकते हैं। भाजपा के चौथे स्थान पर रहने की उम्मीद है। केसीआर का मानना है कि उनके काम से उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने सिंचाई और कृषि के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

कमर्शियल गैस के मूल्य में 21 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को कमर्शियल गैस सिलेंडर के मूल्य में 21 रुपये का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई इजाफा नहीं किया गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल वेबसाइट के मुताबिक राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1775 रुपये से बढ़कर 1796.50 रुपये हो गई है। मुंबई में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए 1,749 रुपये चुकाने होंगे। चेन्नई में 1,968.50 रुपये और कोलकाता में इसकी कीमत 1,908 रुपये हो गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले एक नवंबर को तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस की कीमत में 100 रुपये की बढ़ोतरी की थी। उसके बाद 16 नवंबर को इसकी कीमत में 57 रुपये की कटौती की गई थी।

सरकार का राजकोषीय घाटा अक्टूबर में सालाना लक्ष्य के 45 फीसदी पर

नई दिल्ली। सरकार का राजकोषीय घाटा अक्टूबर महीने के अंत में पूरे साल के बजट अनुमान के 45 फीसदी पर पहुंच गया है। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) ने जारी आंकड़ों में जानकारी दी कि

वास्तविक संदर्भ में चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान राजकोषीय घाटा 8.03 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 45.6 फीसदी रहा था।

क्या होता है राजकोषीय घाटा

सरकार के व्यय और राजस्व के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहते हैं। इसको हम दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि राजकोषीय घाटा तब होता है, जब सरकार का व्यय एक वित्त वर्ष में उत्पन्न राजस्व से अधिक होता है। सरकार का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 17.86 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है।

बीसीसीएल ने 5.0 मिलियन टन मधुबंद वाशरी का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की अत्याधुनिक 5.0 मिलियन टन (प्रति वर्ष क्षमता) वाली मधुबंद वाशरी का वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो गया है। यह इस्पात क्षेत्र में कोकिंग कोल आपूर्ति को बढ़ाने के लिए सबसे बड़ी और अत्याधुनिक वाशरी है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि बीसीसीएल ने अत्याधुनिक 5.0 मिलियन टन मधुबंद वाशरी का वाणिज्यिक परिचालन 29 नवंबर को सीएमडी समीरन दत्ता की उपस्थिति और मार्गदर्शन में शुरू किया। मंत्रालय के मुताबिक यह भारत में सबसे बड़ी कोकिंग कोल वॉशरी में से एक है, जो तकनीकी रूप से उन्नत, लॉजिस्टिक दक्षता और अत्याधुनिक तकनीक से संपन्न है। मंत्रालय ने बताया कि यह कोकिंग कोल वॉशरी देश को इस्पात क्षेत्र को अधिक धुले हुए कोकिंग कोयले की आपूर्ति करने में सक्षम बनाकर आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगी, जिससे कोकिंग कोयले के आयात के माध्यम से विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम किया जा सकेगा। कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 24 मार्च 2022 को औपचारिक रूप से वाशरी का उद्घाटन किया था।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव 2 डॉलर प्रति बैरल लुढ़ककर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल पर है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय

बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.44 डॉलर यानी 0.54 फीसदी की गिरावट के साथ 80.49 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.23 डॉलर यानी 0.30 फीसदी लुढ़ककर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 7.6 फीसदी रही जीडीपी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.6 फीसदी रही है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6.2 फीसदी रही थी। हालांकि, अप्रैल-जून तिमाही में यह 7.8 फीसदी पर थी।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.6 फीसदी रही है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 6.2 फीसदी रही थी। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी 41.74 लाख करोड़ रुपये के

स्तर तक पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 38.78 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.6 फीसदी ज्यादा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ज्यादातर रेटिंग एजेंसियों ने जीडीपी वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

आरबीआई ने बैंक ऑफ अमेरिका और एचडीएफसी बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए बैंक ऑफ अमेरिका और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने पांच सहकारी बैंकों पर भी जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि बैंक ऑफ अमेरिका और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने पांच सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है। बैंक नियामक ने विदेशी विनिमय प्रबंधन कानून (फेमा) 1999 की उदारीकृत धनप्रेषण योजना के तहत सूचना उपलब्ध कराने की जरूरतों पर निर्देशों के उल्लंघन के लिए बैंक ऑफ अमेरिका, एनए पर यह जुर्माना लगाया है।

रिजर्व बैंक के मुताबिक एचडीएफसी बैंक पर जुर्माना

प्रवासियों से जमा स्वीकार करने को लेकर निर्देशों के उल्लंघन के लिए लगाया गया है।

वहीं, आरबीआई ने विभिन्न नियामक मानदंडों का अनुपालन नहीं करने पर पांच सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने जिन सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है, उनमें द पाटलिपुत्र सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक, बिहार, बालासोर भद्रक सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, ओडिशा, ध्रांगध्रा पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक, गुजरात, पाटन नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, गुजरात और मंडल नागरिक सहकारी बैंक, गुजरात शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने जारी बयान में कहा है कि इन सभी मामलों में जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है।

इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर प्रभाव डालना नहीं है।

आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन अक्टूबर महीने में 12.1 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का अक्टूबर में 12.1 फीसदी की दर से बढ़ा है। सितंबर में यह दर 8.1 फीसदी रहा था। हालांकि, पिछले साल की समान अवधि में यह 0.7 फीसदी थी। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल से अक्टूबर तक आठ बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 8.6 फीसदी रही, जो पिछले साल समान माह में 8.4 फीसदी थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर महीने में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 12.1 फीसदी की दर से बढ़ा है। इससे पिछले महीने सितंबर में यह 8.1 फीसदी रहा था। मंत्रालय के मुताबिक बुनियादी उद्योगों में वृद्धि का प्रमुख कारण कमजोर तुलनात्मक आधार और चार क्षेत्रों कोयला, इस्पात, सीमेंट और बिजली के क्षेत्र में दहाई अंक में वृद्धि दर्ज हुई है। उर्वरक को छोड़कर सभी क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

आंकड़े के मुताबिक अक्टूबर महीने में कोयला क्षेत्र का उत्पादन 18.4 फीसदी, इस्पात के उत्पादन में 11 फीसदी की वृद्धि हुई है। सीमेंट का उत्पादन अक्टूबर में 17.1 फीसदी रहा है। बिजली के

उत्पादन में 20.3 फीसदी की वृद्धि हुई है।

अक्टूबर महीने में कच्चे तेल का उत्पादन 1.3 फीसदी और प्राकृतिक गैस का उत्पादन 9.9 फीसदी बढ़ा है। इसके साथ ही रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 4.2 फीसदी रहा है। हालांकि, उर्वरक उत्पादन में वृद्धि 5.3 फीसदी रही।आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली हैं। इनका औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 फीसदी का योगदान है।

आरईसी लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में जुटाएगी 1.5 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी लिमिटेड चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 1.5 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने जुटायी जाने वाली राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पहले यह राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आरईसी के निदेशक मंडल ने 30 नवंबर को हुई बैठक में बाजार उधारी कार्यक्रम में संशोधन को मंजूरी दे दी है। आरईसी लिमिटेड के मुताबिक इसमें वित्त वर्ष 2023-24 के लिए निजी/सार्वजनिक नियोजन के आधार पर बांड/डिबेंचर, सावधि ऋण, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और

वाणिज्यिक पत्र आदि के जरिए 1.5 लाख रुपये तक जुटाने की मंजूरी भी शामिल है। पहले यह राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये थी। आरईसी लिमिटेड भारत की एक सार्वजनिक अवसंरचना वित्तीय कंपनी है। यह कंपनी देशभर में बिजली परियोजनाओं को वित्त पोषित और बढ़ावा देती है। आरईसी लिमिटेड को पहले ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स फिर घटाया, 6300 रुपये प्रति टन से 5000 रुपये प्रति टन किया

नई दिल्ली। भारत सरकार ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। हर पखवाड़े बीते दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा की जाती है। केंद्र ने 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन कर दिया था। सरकार की ओर से अप्रत्याशित और औसत से ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए गए टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। जब सरकार किसी उद्योग के राजस्व में अचानक वृद्धि देखती है, तो वह विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लेती है। यह टैक्स लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है। विंडफॉल टैक्स अस्थाई होता है। विंडफॉल टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से की जाती है। ये टैक्स आम तौर पर लंबे समय से स्थापित बिजनेस पर लगाया जाता है जो किसी बाहरी कारण की वजह से मोटा मुनाफा बनाते हैं।

उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को 2.35 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज मामूली बढ़त के साथ नवंबर महीने के कारोबार का अंत किया। नवंबर महीने के दौरान शेयर बाजार में करीब 5.5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जिसके कारण एक महीने में निवेशकों की संपत्ति में करीब 24 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। वहीं सिर्फ आज के कारोबार से शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 2.35 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने तेजी दिखाई, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। हालांकि कारोबार के आखिरी 1 घंटे के दौरान खरीदारों ने एक बार फिर जोर दिखाया, जिसकी वजह से शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, रियल्टी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज के शेयरों में जम कर खरीदारी होती

रही। इसी तरह मेटल, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर में भी तेजी बनी रही। दूसरी ओर, बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में पूरे दिन दबाव बना रहा। सेक्टोरल फ्रंट पर देखा जाए तो कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस और रियल्टी इंडेक्स 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.35 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 335.64 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 333.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.35 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,857 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,900 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,812 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,115 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,093 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 1,022 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई के सेंसेक्स ने आज 61.29 अंक की मजबूती के साथ 66,963.20 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक लिवाली का जोर नजर आया, जिससे ये सूचकांक 20 सितंबर के बाद पहली बार उछल कर 67 हजार अंक के स्तर को पार करके 67,069.89 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

सर्राफा बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, सोने की कीमत में आई गिरावट

नई दिल्ली। शादी का सीजन होने की वजह से देश के सर्राफा बाजारों में आई तेजी आज थमती हुई नजर आ रही है। देशभर के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। चेन्नई में कल 24 कैरेट सोने की कीमत 64 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई थी, लेकिन आज इसके भाव 64 हजार रुपये के स्तर से नीचे आ गए हैं। इसी तरह दिल्ली में भी सोना 63 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क गया है। हालांकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में आज भी चांदी 79,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 62,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,650

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 62,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 57,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 62,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 62,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 62,780 प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 57,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में 3 कंपनियों की लिस्टिंग से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

नई दिल्ली। आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए आज का दिन काफी अच्छा नजर आ रहा है। आज शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली 4 कंपनियों में से 3 के शेयरों की लिस्टिंग से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा होता नजर आ रहा है। हालांकि 1 कंपनी के शेयर की फीकी लिस्टिंग से निवेशकों को कुछ निराशा भी हुई है। हालांकि, शुरुआती कमजोरी के बाद ये शेयर भी अब बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। आज शेयर बाजार में टाटा टेक, गांधार ऑयल रिफाइनरी और फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज की लिस्टिंग हुई है, जबकि रॉकिंगडील्स सर्कुलर इकोनॉमी के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई (स्मॉल एंड मीडियम साइज एंटरप्राइजेज) प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग हुई है। इनमें से टाटा टेक, गांधार ऑयल रिफायनरी और रॉकिंगडील्स सर्कुलर इकोनॉमी के निवेशकों को जबरदस्त लिस्टिंग गेन का फायदा मिला है, जबकि फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों को लिस्टिंग लॉस का सामना करना पड़ा। टाटा टेक के शेयरों की आज बीएसई पर 1,199.95 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। इस लिस्टिंग के जरिए आईपीओ को निवेशकों को 139.99 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद ये शेयर उछल कर 1,400 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसमें मामूली की गिरावट भी आई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद टाटा टेक का शेयर 807.50 रुपये यानी 161.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,307.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। टाटा टेक का 3,042.51 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ऑफर फॉर सेल इश्यू होने के बावजूद इसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। ओवरऑल ये आईपीओ 69 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

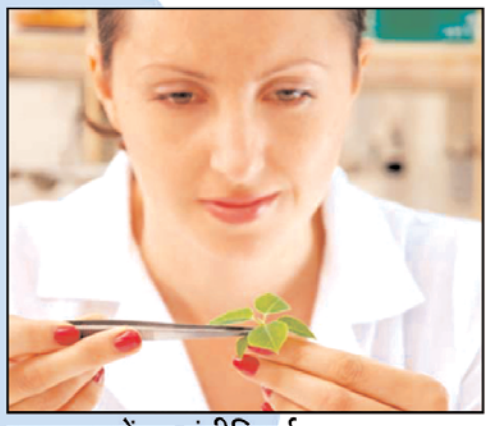

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत: हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट, सागानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, ट्रैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

इंजीनियरिंग कालेज में मतगणना की सभी तैयारियाँ पूर्ण कड़ी सुरक्षा के बीच आज होगी मतगणना

पुष्पांजली टुडे
रीवा। रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना की सभी तैयारियाँ पूर्ण हो गई हैं। मतगणना आज प्रातः 8 बजे से आरंभ होगी। मतगणना केन्द्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि उम्मीदवारों तथा प्रेक्षकों की उपस्थिति में प्रातः स्ट्रांग रूम खोले जायेंगे। रिटर्निंग आफीसरों द्वारा मतगणना तथा स्ट्रांग रूम खोले जाने की लिखित सूचना उम्मीदवारों को दी गयी है। स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक ईव्हीएम ले जाने के लिए पृथक से दल तैनात किया गया है। अधिकारियों की निगरानी में ईव्हीएम मतगणना कक्ष तक जायेंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। मऊगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना दो कक्षों में होगी। शेष सभी विधानसभा की मतगणना के लिए विधानसभावार एक कक्ष निर्धारित किया गया है। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबुलों में मतगणना होगी। प्रत्येक चक्र में 14 मतदान केन्द्रों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबुल में मतगणना सहायक, माइक्रो प्रेक्षक, सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर की टेबुल में डाक मतपत्रों की गणना शुरू होगी। इसके लिए अलग से मतगणना टीम तैनात रहेगी। अंतिम परिणाम मिलने तक मतगणना लगातार जारी रहेगी। प्रत्येक चक्र की गणना पूरी होने के बाद रिटर्निंग आफीसर द्वारा हस्ताक्षर के बाद इसे इनकोर पोर्टल पर आनलाइन दर्ज कर दिया जायेगा। इसके बाद कोई भी व्यक्ति निर्वाचन आयोग की वेबसाइट तथा एप पर परिणाम देख सकता है। मीडिया सेंटर में भी प्रत्येक चक्र के परिणाम विधानसभावार प्रदर्शित किये जायेंगे। मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना की विधानसभावार तथा चक्रवार जानकारी देने के लिए मीडिया सेंटर बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग से प्राधिकार पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर में जाने की अनुमति होगी। मतगणना केन्द्र में उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश करने की अनुमति रहेगी। मतगणना की चक्रवार जानकारी देने के लिए पृथक से टीम तैनात की जाएगी। मतगणना पूरी होने के बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर विजेता प्रत्याशी को निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।

प्रवर्तन दल के कर्नल जी.एम. खान के नेतृत्व में जाटवपुरी से थाना रामगढ़ तक चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

फिरोजाबाद । आए दिन लगने वाले जाम और लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर निगम द्वारा नियमानुसार की गई नोटिस की कार्रवाई का पालन न करते हुए कुछ लोगों द्वारा सड़क पर अतिक्रमण किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को स्थानीय पार्षद, स्वास्थ्य विभाग, कर विभाग और पुलिस बल के सहयोग से प्रवर्तन दल के अधिकारी कर्नल जी.खान के नेतृत्व में जाटव पुरी से लेकर थाना रामगढ़ तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मुन्ने खां पुत्र वाली मोहम्मद के यहां से.250 ग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए ?2500/ रुपए का जुर्माना बसूला गया।बताते चलें कि, नगर आयुक्त घनश्याम मीणा के निर्देशानुसार प्रवर्तन दल के कर्नल जी.खान के नेतृत्व और स्थानीय पार्षद रेहान एवं स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से शुक्रवार को नगर निगम की टीम द्वारा जादवपुरी से लेकर थाना रामगढ़ तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्रवर्तन दल की टीम द्वारा अचानक की गई कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आनन फानन में दुकानदारों ने सड़क पर किए गए अपने अतिक्रमणों को स्वतः ही हटा लिया। जिन दुकानदारों ने अपना सामान नहीं हटाया, उस सामान को निगम के कर्मचारियों द्वारा उठवा कर नगर निगम पहुंचा दिया गया।

पिरामल स्वास्थ्य ने 302 एनसीसी कैडर का टी बी रोग विषय पर किया उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

दुमका झारखंड। शुक्रवार को एनसीसी चौथी महिला बटालियन के विशेष कैंप आर्चरी स्टेडियम मसलिया रोड दुमका में पिरामल स्वास्थ्य के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पिनाकी रंजन मोदक के द्वारा टी बी रोग के विषय में उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत टी बी रोग इसके लक्षण एवं बचाओ के उपाय , मुफ्त जाँच एवं इलाज की सुविधा, निक्षय मित्र एवं निक्षय पोषण योजना के तहत टी बी रोगियों को मिलने वाले लाभ के बारे में बताया गया साथ ही टी बी रोग के संबंध में जन जागरूकता के तहत उन्हें अपने घर अपने गांव एवं अपने विद्यालय में टी बी रोग के लक्षण एवं बचाव के उपाय के बारे में

बताने के लिए कहा गया एवं कोई लक्षण वाले वेक्ति दिखे तो नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र रेफर करने के लिए कहा गया।*मौके पर उपस्थित एनसीसी चौथी महिला वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एस चक्रवर्ती, नायब मेजर ए के मंडल ने सभी एनसीसी कैडर को टी बी मुक्त दुमका के निर्माण में अपने भूमिका निभाने का आवाहन किया एवं सभी ने 2025 तक टी बी मुक्त दुमका बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर पिरामल स्वास्थ्य के फैलो आरती कुमारी एवं कुमारी रत्नांका, एनसीसी महिला वाहिनी के 302 महिला कैडर एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

सहजयोग सत्य के साधकों की मंजिल है

सहज योग यह शब्द सुनकर सभी के मन में यह सवाल उठता है, कि सहज योग क्यों करना चाहिए? पहले से ही कई सारे योगों से मनुष्य परिचित है ऐसे में सहज योग में क्या नया है या क्या भिन्नता है, यह बात अक्सर सामने आती है और ये आवश्यक भी है। भारत में लगभग 90त्न घरों में हर रोज किसी ना किसी रूप में परमपिता परमात्मा की आराधना होती है। अधिकांश व्यक्ति व्रत - उपवास करते हैं, दान करते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं, तीर्थ यात्राओं पर जाते हैं, भजन कीर्तन करते हैं और अन्य भी कई तरह से ईश्वर को याद करते हैं। उसके बाद जब किसी प्रकार की शारीरिक मानसिक या आर्थिक परेशानी आती है तो उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उनका साथ नहीं दिया और परमात्मा पर उनका विश्वास कम होने लगता है। परंतु वे यह नहीं समझते की ईश्वर भौतिकता से परे होता है। उदाहरणार्थ यदि आपका पुत्र आपके लिए एक दिन भूखा रहे आपको कुछ मिठाइयां लाकर दे या आपको अपनी पॉकेट मनी से जो आप ही उसे देते हैं कुछ पैसे अर्पित करें और फिर यह इच्छा रखे कि आप उसे संसार के सभी सुख दे देंगे और उसे सही और गलत सब कुछ करने का अधिकार मिल जाएगा क्या संभव है? लेकिन यदि वह आपके पास समर्पित भाव से प्रेम से आकर कुछ मांगता है तो आप अवश्य पूरा करते हैं। परमपिता भी आपके पिता है आपको उनके पास जाने के लिए मात्र प्रेम की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार आपको किसी मंज़िल पर जाना है, परंतु उसका मार्ग पता नहीं है ऐसे में आप लोगों से पता पूछते हैं जो आपको अलग-अलग मार्ग दिखाते हैं कुछ रास्ते लंबे होते हैं तो कुछ ऊबड़-खाबड़ व अनेक मुश्किलों से भरे हुए ऐसे में आपको लगने लगता है कि मंज़िल ही गलत है। तभी कोई आपको मिलता है और वह सीधा रास्ता दिखाता है और आप कुछ ही समय में मंज़िल तक पहुंच जाते हैं और तब आप समझते हैं कि मंज़िल गलत नहीं थी, सिर्फ मार्गदर्शक और मार्ग गलत थे । सहज योग में श्री माताजी ने एक ऐसा ही रास्ता तैयार किया है जिस पर चलकर आप अत्यंत अल्प समय में परमात्मा के निकट पहुंच जाते हैं तथा पिता व पुत्र के बीच यह संबंध समर्पण तथा प्रेम पर आधारित होता है। श्री माताजी के अनुसार, आप परम पिता का अंश होने के कारण उनकी शक्ति के वाहक भी हैं ऐसे में सहज योग में आने के बाद आपको उन शक्तियों का अनुभव व ज्ञान होने लगता है। आप बंधनों से मुक्त हो जाते हैं तथा परम शक्तिशाली, संतमना तथा स्वतंत्र व्यक्तित्व के स्वामी बनते हैं और देव तुल्य हो जाते हैं।

मतदाता सूची प्रेक्षक सह प्रमण्डलीय आयुक्त संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका लालचंद डाडेल का प्रथम विजिट कार्यक्रम संपन्न.

दुमका झारखंड। शुक्रवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के निमित्त मतदाता सूची प्रेक्षक सह प्रमण्डलीय आयुक्त संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका लालचंद डाडेल ने प्रथम विजिट कार्यक्रम के तहत गोड्डा जिला के पो?याहाट विधानसभा क्षेत्र में पो?याहाट प्रखंड के कई मतदान केंद्रों का भ्रमण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक प्रपत्र-6, 7 एवं प्रपत्र-8 का निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा -निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने निरीक्षण के दौरान चिन्हित मतदान केन्द्रों में बीएलओ/ बीएलओ सुपरवाईजर को आवश्यक एवं अपेक्षित प्रगति लाने के लिए निर्देश दिया और कहा कि कार्यों में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतें।आयुक्त द्वारा उप निर्वाचन पदाधिकारी, गोड्डा को भी नियमित रूप से समीक्षा करने का निदेश दिया गया।इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों में बीएलओ एवं सुपरवाइजर से डोर-टू- डोर विजिट, होम-टू-रोल, वोटर कार्ड और आधार लिंक का प्रतिशत, वोटर हेल्पलाइन एप्प, फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त की।

विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण –प्रमंडलीय आयुक्त ने

पो?याहाट प्रखंड के मतदान केंद्र यथा- उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारुडीह, मध्य विद्यालय पोड़ैयाहाट बालक (पश्चिमी भाग), मध्य विद्यालय पो?याहाट बालक (मध्य भाग), मध्य विद्यालय पो?याहाट बालक (पूर्वी भाग), कन्या मध्य विद्यालय पोड़ैयाहाट (उ0 भाग), कन्या मध्य विद्यालय पो?याहाट (द0 भाग), मध्य विद्यालय द्रौपद (उ0 भाग), मध्य विद्यालय द्रोपद (द0 भाग) आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रपत्रों का जांच किया।मतदान केंद्र भ्रमण के दौरान आयुक्त उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कारुडीह एवं मध्य विद्यालय पो?याहाट बालक के अध्ययनरत बच्चों से मिलकर उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली तथा बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ाई करने को प्रोत्साहित किया। इस दौरान आयुक्त द्वारा शिक्षकों को भी बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा विद्यालय परिसर में साफ-सफाई पर ध्यान देने एवं विद्यालय को हरा-भरा रहने हेतु गार्डनिंग करने का निदेश दिया गया ताकि विद्यालय का वातावरण स्वच्छ रहे।मौके पर पर आयुक्त के सचिव अमित कुमार, धीरज ठाकुर, उप निर्वाचन पदाधिकारी, गोड्डा, सदानंद महतो, भूमि सुधार उप समाहर्ता, गोड्डा फुलेश्वर मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पो?याहाट, पुष्पक रजक, अंचल अधिकारी, पो?याहाट, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी सौरभ कुमार तिवारी, सहायक तकनीकी पदाधिकारी श्री विधान चक्रवर्ती,सहित जिला निर्वाचन कार्यालय, गोड्डा एवं प्रखंड कार्यालय, पो?याहाट के कर्मी आदि मौजूद रहे।

सृष्टि की रचना कहां से, कैसे हुई, कब और कैसे खत्म होगी, आदि सब जानकारी जिसे हो उसे सन्त कहते हैं -सन्त बाबा उमाकान्त जी

महाराजगोंडा (उ.प्र)आदि से अंत तक सब कुछ जानने वाले सर्वज्ञ, कर्मों की सजा से बचने का उपाय बताने वाले, सर्व समर्थ, सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 26 नवम्बर 2023 दोपहर गोंडा (उ.प्र.) में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि इस देश की यह परंपरा रही है, ज्यादातर सन्त यहीं पर हुए हैं। अवतारी शक्तियां तो और जगहों पर भी हुई हैं। अवतारी शक्ति किसको कहते हैं? जो नीचे के स्थान से आती हैं, परिवर्तन बदलाव करने के लिए, उसके बनाई हुए सृष्टि की रखवाली करने के लिए आते हैं। वह भी सृष्टि के रखवाले ही होते हैं कि यहां पर जीव रह जाए, नरकों में न जाने पावे। अभी यदि सभी जीवों को नरकों में भेज दिया जाए या दुनिया के सभी लोगों को जेल में बंद कर दिया जाए तो कौन खेती, दुकान, यह व्यवस्था संभालेगा? इसलिए इन सारी चीजों का रहना जरूरी है। काल भगवान ने समय-समय पर उनको भेजा कि सब जीव नर्कगामी न होने पाए, इनको रोको, उसी में उलझाए रहो ताकि कुछ मनुष्य शरीर में भी रहे, नहीं तो कैसे व्यवस्था चलेगी। अकल बुद्धि वाला केवल मनुष्य होता है। पांचों तत्व केवल मनुष्य शरीर में होते हैं। आकाश तत्व की कमी होने से बुद्धि सही से काम नहीं करती। पशु, मनुष्य के समान बच्चा पैदा करते हैं, इस तरह खाते, पीते, चलते हैं लेकिन उनमें बुद्धि नहीं होती तो जानवरों को हांकना, चराना पड़ता है, कुत्ते को सिखाना पड़ता है। मनुष्य में बुद्धि होती है, मनुष्य का रहना भी जरूरी था।**जब भी लोग धर्म को खत्म करने के लिए सोचे तब यह शक्तियां आई**-अवतारी शक्तियां धर्म की स्थापना करने के लिए आई कि लोग धार्मिक भी रहे। जब अधर्म ज्यादा बढ़ता था, जब भी लोग धर्म को खत्म करने के लिए सोचे तब यह शक्तियां भेजी जाती थी। जो मनुष्य शरीर में आए हैं, उनकी बात छोड़ो, देवताओं की बात देख लो। देवता और असुर यह दो रहे। राक्षसों ने बहुत मेहनत किया। त्रिपुरासुर ने शिव की तपस्या किया था। एक पैर पर ही खड़ा रहा, उसने सर नीचे करके (शीर्षासन) तपस्या किया। लेकिन तपस्या से शिवजी जब खुश हुए तो वरदान मांग लिया। फिर देवताओं पर हमला करने, उन्हें सताने लगा गया। शिवजी वरदान देने की वजह से मजबूर थे। तब उसने सोचा कि हम त्रिलोक के मालिक बनेंगे। तब उसको खत्म करने की योजना विष्णु ने बनाई थी।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शिवपुरी जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 01 दिसम्बर को शासकीय जिला चिकित्सालय शिवपुरी में सिविल सर्जन डॉ.बी.एल.यादव की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय के डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ.यादव द्वारा एचआईवी एवं एड्स के बारे में जानकारी दी गई। एचआईवी और एड्स के मरीजों से समानता का व्यवहार करते हुए जांच एवं उपचार किये जाने के निर्देश दिये। सभी मरीज संभावित एचआईवी पॉजीटिव हो सकता है इसलिये चिकित्सालय में ड्यटी के दौरान फूल प्रकोशन के साथ मरीजो का उपचार करें। किसी भी तरह की हाथों में रिंग, कड़ा, अंगुटी इत्यादि सामग्री ड्यूटी के दौरान उपयोग में नहीं लाये क्योकि इससे खतरा रहता है।डॉ.अलका त्रिवेदी, जिला क्षय अधिकारी एवं नोडल अधिकारी (एड्स) की अध्यक्षता में एवं प्राचार्य विवेक श्रीवास्तव के समन्वय में शासकीय एक्सीलेंस विद्यालय कमांक 01 में स्कूल के छात्र छात्राओं के बीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में अपर जिला न्यायाधीश एवं मुख्य अतिथि अर्चना सिह द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।जिला क्षय अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ.अल्का त्रिवेदी द्वारा विश्व एड्स दिवस इस वर्ष की थीम ''समुदाय को नेतृत्व करने दें'' के बारे में जानकारी देते हये बताया कि एचआईवी/ एड्स के पीड़ितो के प्रति सहानुभूति एवं समानता का व्यवहार रखे। अपर जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह ने एचआईवी एक्ट 2017 के बारे में

जानकारी देते हुए बताया कि मानव रोगक्षम अल्पता विषाणु और अर्जित रोगक्षम अल्पता संलक्षण (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 एक प्रगतिशील कानून है। यह एक्ट 2017 में बना एवं 10 सितम्बर 2018 से देश में लागू हुआ है। यह अधिनियम किसी भी जगह या हालात में एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ होने वाले किसी भी तरह के भेदभाव या बुरे बर्ताव पर रोक लगाता है। इस अधिनियम के तहत जिला स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिकायत अधिकारी होते हैं।

स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन- शासकीय एक्सीलेंस विद्यालय क्रमांक 1 में कक्षा 9 एवं 11वी के छात्र/ छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया एवं उत्कृष्ट चित्र बनाने वाले छात्र/ छात्राओं को अपर जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र/छात्राओं शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

रैली और कैंडल मार्च- रैली टी.बी अस्पताल से प्रारम्भ होकर अस्पताल चौराहा एवं शहर के मुख्य मार्ग से होती हुई ए.आर.टी सेन्टर पर समाप्त की गई। कैंडल मार्च कार्यक्रम के दौरान ए.एन.एम ट्रेनिंग सेंटर की प्रशिक्षार्णियों एवं ए.आर. टी सेन्टर, आई.सी.टी.सी सेंटर, संकल्प समाज सेवी संस्था शिवपुरी के संयुक्त तत्वाधान से सिविल सर्जन डॉ. बी.एल.यादव द्वारा हरी झण्डी दिखाकर कंडेल मार्च का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय शिवपुरी से अस्पताल चौराहा शिवपुरी तक कैंडल मार्च निकाला गया।

नुक्कड़ नाटक- नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जिला चिकित्सालय केम्पस में एचआईवी/ एड्स जागरूकता का संदेश दिया गया। उक्त कार्यक्रम ए.एन.एम ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित किया गया।

मतगणना 3 दिसम्बर को : फायनल रिहर्सल हुई, सभी तैयारियाँ पूर्ण

ग्वालियर । जिले में मतगणना की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत 3 दिसम्बर को प्रात: 8 बजे से एमएलबी कॉलेज में जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना पर निगरानी रखने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार नियुक्त प्रेक्षकगणों और मतगणना व्यवस्था के प्रभारी एवं जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार ने शनिवार को मतगणना कक्षों एवं सम्पूर्ण मतगणना परिसर का जायजा लिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन कर मतगणना की हर कार्रवाई अंजाम दें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतगणना के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। बगैर प्रवेश पत्र के किसी को भी मतगणना परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतगणना के प्रवेश द्वार पर हर व्यक्ति की बारीकी से जाँच की जायेगी। मतगणना भवन व परिसर में मोबाइल ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा तथा कैंची, ब्लेड, गुटका पाउच, पान, बी?ी, सिगरेट, माचिस, लाईटर, खाद्य व पेय सामग्री ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित है। मतगणना स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी किया गया पहचान पत्र साथ में रखना आवश्यक होगा। बिना पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा। शनिवार को सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के गणना कक्षों में मतगणना की फायनल रिहर्सल हुई। सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स ने गणना पर्यवेक्षक व गणना सहायकों को विस्तारपूर्वक मतगणना की बारीकियाँ समझाई। प्रशिक्षण में माइक्रो ऑब्जर्वर भी शामिल हुए। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के मुताबिक 3 दिसम्बर को प्रात: 8 बजे मतों की गिनती शुरू होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह ने बताया कि सबसे पहले डाक मत पत्रों एवं सेवा मतदाताओं द्वारा भेजे गए मतों की गिनती शुरू होगी। इसके आधा घंटे बाद ईवीएम (इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन) के वोटों की गिनती शुरू की जायेगी। दोनों प्रकार के मतों की गिनती समानान्तर रूप से जारी रह सकेगी।ईवीएम की हर गणना टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, एक गणना सहायक व एक माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। इस प्रकार ईवीएम की प्रत्येक टेबल पर तीन अधिकारियों की तैनाती रहेगी। डाक मत पत्र की टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, दो गणना सहायक व एक माइक्रो आब्जर्वर तैनात रहेंगे। माइक्रो ऑब्जर्वर सीधे निर्वाचन प्रेक्षक को अपनी रिपोर्ट देंगे।

प्रेक्षकगण रखेंगे हर विधानसभा क्षेत्र की गणना पर नजर-भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के हर विधानसभा क्षेत्र की

मतगणना पर निगरानी रखने के लिये अलग-अलग प्रेक्षक नियुक्त किए हैं। विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण की गणना निर्वाचन प्रेक्षक पथाराजू व्ही की निगरानी में होगी। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर में अनिल कुमार सिंह, ग्वालियर पूर्व में रवि कुमार अरोरा, ग्वालियर दक्षिण में व्ही कनाका नरासा रेड्डी, भितरवार में के विवेकानंद एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा (अजा) की मतगणना पर प्रेक्षक आनंद शर्मा निगरानी रखेंगे।

112 टेबलों पर होगी ईवीएम के मतों की गिनती- मतगणना के लिये इस बार गणना टेबल बढ़ाई गई हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एमएलबी कॉलेज में हर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतों की गिनती दो ङ्क दो कक्ष निर्धारित किए गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व व भितरवार के ईवीएम में दर्ज मतों की गिनती के लिये 21- 21 टेबल लगाई गई हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर दक्षिण व विधानसभा क्षेत्र डबरा (अजा) के ईवीएम की मतों की गिनती के लिये 14 ङ्क 14 टेबल लगाई गई हैं।

21 टेबलों पर होगी डाक मत पत्रों की गिनती-जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में डाक मत पत्रों की गिनती के लिये कुल 21 टेबल लगाई गई हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में 2 टेबल, ग्वालियर में 5 टेबल, ग्वालियर पूर्व में 6, ग्वालियर दक्षिण में 4, भितरवार में 2 एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा (अजा) में डाक मत पत्रों की गिनती के लिए 2 टेबल लगाई गई हैं।

एमएलबी कॉलेज के इन कक्षों में होगी मतगणना-जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए मतों की गिनती 3 दिसम्बर को प्रात: 8 बजे से एमएलबी कॉलेज में होगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण के मतों की गिनती एमएलबी कॉलेज में प्रथम तल पर स्थित कमरा नं. 203 व 204 में की जायेगी। इसी तरह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर की प्रथम तल पर कमरा नं. 201 व 202 में होगी। इसी तरह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व की मतगणना भू-तल पर स्थित कमरा नं. 101 व 102, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 17-ग्वालियर दक्षिण के मतों की गिनती भू-तल पर स्थित कमरा नं. 24 व 25 में होगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 18-भितरवार की मतगणना भूतल पर स्थित कमरा नं. 103 व 104 में एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) के मतों की गिनती एमएलबी कॉलेज परिसर में भू-तल पर स्थित कमरा नं. 21 व 22 में की जायेगी।

मतगणना परिसर में प्रवेश व्यवस्था-मतगणना दिवस यानि 3 दिसंबर को कटोरातल की ओर वाले प्रवेश द्वार से विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर पूर्व, भितरवार एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा (अजा) के प्रत्याशी एवं उनके अभिकर्ताओं को प्रवेश दिया जायेगा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर व ग्वालियर दक्षिण के प्रत्याशी व उनके अभिकर्ता अचलेश्वर मंदिर की ओर वाले प्रवेश द्वार से प्रवेश कर संबंधित मतगणना कक्ष में पहुँच सकेंगे। मतगणना के लिये तैनात किए गए अधिकारी एवं कर्मचारी भी अचलेश्वर मंदिर वाले प्रवेश द्वार से मतगणना परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। इसी प्रवेश द्वार से मीडिया प्रतिनिधिगण मतगणना परिसर में पहुँच सकेंगे।

पार्किंग व्यवस्था-अचलेश्वर मंदिर वाले प्रवेश द्वार की ओर से आने वाले अधिकारी-कर्मचारी एवं मीडिया प्रतिनिधिगण एमएलबी कॉलेज की पार्किंग में अपने दुपहिया वाहन पार्क कर सकेंगे। चार पहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था जीवाएमसी मैदान में रहेगी। इसके अलावा गणना अभिकर्ताओं के लिये थीम रो? पर छत्री की ओर दुपहिया वाहन एवं ओफो की बगिया में चार पहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

अग्र मिलन की 452वीं बैठक 3 को

ग्वालियर। अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर की 452वीं साप्ताहिक बैठक 3 दिसंबर को प्रातः 8.30 से 10 बजे तक मोहनलाल गर्ग के ए-19 समाधिया कालोनी निवास पर संपन्न होगी। बैठक की जानकारी अग्रमिलन के डा. रामबाबू गोयल ने दी और सभी अग्रबंधुओं से बैठक में उपस्थिति का आग्रह किया हैं।डा. गोयल ने बताया कि बैठक के उपरांत अग्र मिलन के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार गर्ग फतेह बाबा की शादी की वर्षगांठ भी सभी सदस्यों की उपस्थिति में मनाई जायेगी।

प्रत्याशियों की किस्मत का कल खुलेगा पिटारा, धड़कने तेज; दो मंत्रियों का भविष्य दांव पर

ग्वालियर। विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को ग्वालियर जिले की 6 विधानसभा सीटों में मतदान संपन्न होने के बाद कल 3 दिसंबर को एमएलबी कॉलेज में मतगणना होगी। जिसको लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। ग्वालियर में दो मंत्रियों का भविष्य भी दांव पर है। बता दें कि हर विधानसभा में गणना के लिए कॉलेज में अलग-अलग कक्ष में टेबल रखीं गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल ने मतगणना की तैयारियों को लेकर मौके पर जायजा लिया। इस बीच मतगणना स्थल पर पर्याप्त बैरिकेडिंग के साथ ही सुरक्षा से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण का ली गई है। मतगणना परिसर में बिना पास के किसी को भी प्रवेश न दिया जाने, पासधारी व्यक्तियों की गेट पर

तलाशी के बाद प्रवेश देने और प्रत्याशियों के एजेंट को बिना पास के अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। इसी तरह सभी विधानसभा के मतगणना कक्ष में निगरानी करने के लिए कैमरे लगाए हैं, जो पूरी गणना पर नजर रखेंगे। एग्जिट पोल जारी होने के बाद से अब प्रत्याशी और उनके समर्थक जीत-हार का गणित बैठाने में लगे हैं। किसको कितने वोट मिलेंगे और जीत-हार का अंतर कितना होगा। यह गहमागहमी शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में चल रही है। चाय, पान की दुकानों पर भी केवल यही चर्चा इस समय जोरों पर है। जिले में वोटिंग प्रतिशत ज्यादा होने की वजह से लोग अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत का दावा कर रहे हैं। किसी सीट पर जातीय समीकरण से जीत का रास्ता निकाला जा रहा है तो किसी सीट पर भितरघात का फायदा बताया जा रहा है। सबसे ज्यादा चर्चा का विषय इस बार ला?ली बहना योजना को लेकर बना हुआ है। इस योजना का लाभ बीजेपी को मिल सकता है और प्रभाव न होने पर कांग्रेस भी आगे निकल सकती है।

दो मंत्रियों व माया सिंह का भविष्य दांव पर-ग्वालियर में दो मंत्रियों ग्रामीण से भारत सिंह कुशवाह और ग्वालियर से प्रद्युम्न सिंह तोमर की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। इससे उनके आगामी भविष्य का फैसला भी होगा। साथ ही केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मामी पूर्व मंत्री माया सिंह, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, पूर्व मंत्री इमरती देवी सहित कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक, महापौर पति विधायक डा. सतीश सिकरवार की प्रतिष्ठा भी दांव पर है।

विधानसभा चुनाव परिणाम के दिन शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु बेहट अनुभाग के गाँवों में पुलिस की शांति वार्ता

पुलिस ने दोनों पक्ष के नेताओं को जुलूस रैली के दौरान झगड़ा होने पर कार्यवाही की चेतावनी दी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रों में जाकर आमजन से वार्तालाप किया जा रहा है और उन्हे समझाइस दी जा रही है कि मतगणना उपरान्त विजय जुलूस के दौरान कोई भी व्यक्ति अशांति फैलाने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (उत्तर) श्री अमृत मीना के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेहट श्री संतोष पटेल द्वारा बेहट अनुभाग में चुनाव परिणाम के दिन शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु गाँवों में जाकर आमजन से शांति वार्तालाप की और दोनों पक्ष के नेताओं को चेतावनी भी दी कि यदि विजय जुलूस के दौरान कोई लड़ाई झगड़ा हुआ तो नेतृत्व करने वाले नेता के खिलाफ भी दुष्प्रेरण व आपराधिक षडयंत्र के तहत मुकदमा पंजीकरण किया जाएगा।इस अवसर पर पुलिस द्वारा गाँवों में माइक से उद्घोषित किया गया कि अपने घरों में रहकर ही चुनाव परिणाम का लुत्फ़ उठायें क्योंकि आचार संहिता के साथ ही धारा 144 लागू है, जिसका उल्लंघन करते पाये जाने पर कार्यवाही की जाएगी। एसडीओपी बेहट श्री संतोष पटेल ने थाना प्रभारी बिजौली निरीक्षक मनीष धाकड़ के साथ पारसेन, अड़ूपुरा, चक केशवपुर, बिलहटी में शांति वार्तालाप कर सभी से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की।

स्टेशन प्रबंधक को डीआरएम के नाम विकलांग प्रकोष्ठ ने ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं राष्ट्रीय सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर ट्रस्ट के राष्ट्रीय सलाहकार अनूप जौहरी और जिला अध्यक्ष जीतू यादव ने लगभग आधा सैकड़ा विकलांगजनों के नेतृत्व में ग्वालियर रेलवे स्टेशन प्रबंधक को डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अनूप जौहरी ने कहा कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर स्थित विकलांग एवं सीनियर सिटीजन की जनरल टिकट विंडो पर पदस्थ टिकट बाबू महिला द्वारा विकलांगजनों एवं सीनियर सिटीजन के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और इतना ही नहीं पहले तो रेलवे प्रशासन द्वारा विकलांग एवं सीनियर सिटीजन की जनरल टिकट विंडो पर महिलाओं का नाम लिखना अनुचित है क्योंकि विकलांगजनों की विंडो पर सामान्य यात्री स्वयं भीड़ में अपनी विंडो पर बचने के लिए अपनी विकलांग एवं सीनियर सिटीजन वाली टिकट विंडो पर अपनी महिलाओं को लगा देते है जिससे महिलाओं की कतार लग जाती है और ऐसी परिस्थिति में जब कोई विकलांग या सीनियर सिटीजन अपना कंसेशन टिकट लेने विंडो पर पहुंच कर टिकट मांगता है तो पहले नियम अनुसार विकलांग एवं सीनियर सिटीजन को प्राथमिकता न देते हुये विंडो पर पदस्थ टिकट बाबू जो एक महिला है वह विकलांगजनों को टिकट न देने की मना करते हुये उक्त सामान्य महिलाओं की लायन के पीछे लगने के लिए चिल्ला कर बोलती है ओर जब विकलांग को पहले प्राथमिकता के आधार पर टिकट दिए जाने की कहता है तो उस पर टिकट बाबू जोर से चिल्लाते हुए और अभद्र व्यवहार करते हुये कहती है सीधी तरह महिलाओं के पीछे लगोगे जब टिकट मिलेगा। जिसे लेकर जौहरी ने उक्त असंवेदनशील

गृहमंत्री नरोत्तम ने किये शनिदेव के दर्शन, बोले - मैं किसी दौड़ में नहीं

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा शनिवार को दर्शन करने के लिए शनि देव धाम ऐंती पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। दर्शन के बाद नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जन्मदिन है, जिसके कारण आज उनकी यहां धार्मिक यात्रा थी। वे यहां दर्शन के लिए आए हैं और यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात है कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हम सबके बीच में अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा एग्जिट पोल पर सवाल खड़े करने पर कहा कि अभी कल तक और रुक जाओ, ईवीएम पर भी वह सवाल खड़े करेंगे। अभी एग्जिट पोल पर सवाल है। यह कांग्रेस पार्टी है, यह जब हारती है तो किसी पर भी सवाल खड़े कर देती है। यह न्यायालय पर सवाल करती है। यह सेवा पर सवाल खड़े कर देती है। यह वैक्सीन पर सवाल खड़े कर देती है। यह एग्जिट पोल पर सवाल खड़े कर देती है और कल ईवीएम पर उठेगा। उन्होंने एमपी में सरकार और मुख्यमंत्री के बारे में कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री जो पार्टी तय कर दे वही बनेगा। 230 विधायकों में से कोई भी बन सकता है। वहीं, खुद के बारे में कहा कि मैं किसी दौड़ में नहीं हूं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478